ELARIS CONSULTING
Beyond The Visible

की तरफ से
आप सभी को दीपावली
की शुभकामनाएं

(An India Newspaper)

यूथ ऑरा
YOUTH AURA
इनोवेशन.ट्रांसफॉर्मेशन.ऑटोमेशन

(Sponsored by)
SPYeye SOLUTIONS
TRANSFORMATION AUTOMATION INNOVATION

वर्ष:01 | अंक : 10 | मंगलवार, 14-20 अक्टूबर 2025 | हिन्दी साप्ताहिक | मुल्य 02 रुपये | मुख्य सम्पादकः लव जैन | RNI. NO.: HRBIL/25/A1127 | पृष्ठः 8

चीन ने भारतीय सीमा के पास तैनात किए युद्धक ड्रोन

बीजिंग (एजेंसी)। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि अगस्त और सितंबर के बीच कई हफ्तों तक चीन ने एक डबल यूज सैन्य-नागरिक हवाई अड्डे पर कई युद्धक ड्रोन तैनात किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ऑपरेशनल रनवे पर जीजे-11 शार्प स्वॉर्ड स्टील्थी फ्लाइंग-विंग अनक्रूड कॉम्बैट एयर व्हीकल्स तैनात किए गए थे। इसे पहली बार भारत की सीमा से सटे तिब्बत के शिगात्से एयरबेस पर तैनात किया है। जो चीन की हवाई क्षमता में बड़ा विस्तार माना जा रहा है, जिससे भारत के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शक्ति संतुलन बदल सकता है। द वॉर जोन की रिपोर्ट के मुताबिक, ये ड्रोन अब सेमी-ऑपरेशनल स्टेट तक पहुंच चुके हैं और

सैटेलाइट तस्वीरों में खुलासा, सिक्किम से सिर्फ 150 किमी दूर

इन्हें वास्तविक युद्ध परीक्षण के लिए तैनात किया गया है। द वॉर जोन ने प्लैनेट लैब्स के ऑनलाइन आर्काइव डेटाबेस में मौजूद तस्वीरों के हवाले से बताया है कि चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में स्थित शिगात्से एयर बेस, जिसे शिगात्से पीस एयरपोर्ट भी कहा जाता है, वहां 6 अगस्त से 5 सितंबर के बीच तीन जीजे-11 विमान दिखाई दिए हैं। आपको बता दें कि शार्प स्वॉर्ड ड्रोन का डेवलपमेंट एक दशक से भी ज्यादा वक्त से चल रहा है, जिसके बारे में माना जाता है कि इसे हवा से जमीन पर हमला करने और खुफिया, निगरानी और टोही मिशनों को अंजाम देने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्लेटफॉर्म के रूप में हवा से हवा में युद्ध में इस्तेमाल की भी क्षमता है। शिगात्से एयरबेस की सैटेलाइट तस्वीरों में दिख रहे कम से कम दो ड्रोनों पर पूरी तरह से धूसर रंग की पेंटिंग है, जैसा कि आमतौर पर अन्य चीनी ऑपरेटेड और गैर-चालित सैन्य विमानों पर देखा जाता है। कम से कम एक और उदाहरण लाल/भूरे रंग के किसी प्रकार के सुरक्षात्मक आवरण के साथ दिखाई देता है। 10 सितंबर को ली गई शिगात्से की प्लैनेट लैब्स की एक तस्वीर में फ्लैंकर-प्रकार के लड़ाकू विमानों को इसी तरह के आवरणों के साथ दिखाया गया है।

भारत के खिलाफ शिगात्से चीन का रणनीतिक एयरबेस

आपको बता दें कि शिगात्से का रनवे दुनिया के सबसे लंबे रनवे में से एक है। ये करीब 5,000 मीटर यानि 16,404 फीट की ऊंचाई पर है, जो हाई-एल्टीट्यूड ऑपरेशंस के लिए चीन को अतिरिक्त लाभ देता है। 2017 में यहां एक और 3,000 मीटर लंबा सहायक रनवे और सात बड़े पार्किंग स्पॉट जोड़े गए थे। हाल के वर्षों में एजेंसी ने इस एयरबेस का विस्तार कर कई नए हैंगर, बड़े एप्रन और सपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण किया है।

ठंडी हवाओं ने गिराया उत्तर भारत का तापमान

- पहाड़ी इलाकों में बादल छाए रहेंगे, सुबह-शाम बढ़ी ठंड

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में बारिश का दौर थमने के साथ ही तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। 13 अक्टूबर को राज्य के सभी 13 जिलों में मौसम शुष्क बना रहेगा। हालांकि सुबह और शाम की ठंड होगी। वहीं मैदानी इलाकों में चटक धूप खिलेगी। मौसम विभाग के अनुसार, पर्वतीय क्षेत्रों में आंशिक बादल मंडराएंगे। मैदानी इलाकों में धूप खिलने से तापमान सामान्य होगा। हालांकि, न्यूनतम तापमान सामान्य से कम होने

के कारण ठंड महसूस की जा रही है। उत्तराखंड की ठंडी हवाएं उत्तर भारत में सुबह और शाम ठंड बढ़ाएगी। अभी फिलहाल राज्य में बारिश और बर्फबारी की संभावना नहीं है। आगामी 15 अक्टूबर तक प्रदेशभर में मौसम साफ रहने का अनुमान है। वहीं, देहरादून में आज मौसम शुष्क है, लेकिन दिन के समय मौसम थोड़ा गर्म होगा, जिससे हल्की उमस हो सकती है। अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम के पहाड़ों पर हिमपात होने से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पहाड़ बर्फ की चादर ओढ़े नजर आ रहे हैं।

बिहार चुनाव से पहले लालू परिवार में बढ़ गई कलह

- तेजप्रताप ने तेजस्वी को किया 'अनफॉलो', और बढ़ा टकराव

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले लालू यादव परिवार के भीतर की खींचतान फिर सुर्खियों में है। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने अपने छोटे भाई और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को एक्स पर अनफॉलो कर दिया है। दिलचस्प बात यह है कि तेजस्वी अभी भी तेज प्रताप को फॉलो कर रहे हैं, लेकिन बड़े भाई के इस कदम ने सियासी गलियारों में चर्चा तेज कर दी है। यह पहला

मौका नहीं है जब तेज प्रताप ने परिवार से दूरी का इशारा किया हो। इससे पहले उन्होंने अपनी दोनों बहनों मीसा भारती और हेमा यादव को भी सोशल मीडिया पर अनफॉलो कर दिया था। अब वह केवल पांच अकाउंट्स को फॉलो करते हैं- जिनमें उनके पितालालू प्रसाद यादव, मां राबड़ी देवी, और बहन राज लक्ष्मी यादव शामिल हैं। परिवार और पार्टी से अलग होने के बाद तेज प्रताप यादव ने 'जनशक्ति जनता दल' के नाम से अपनी नई पार्टी बनाई है। बीते दिन तेज प्रताप यादव ने ऐलान किया था कि उनकी पार्टी 13 अक्टूबर को बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए पहली उम्मीदवार सूची जारी करेगी। तेज प्रताप ने कहा, मैं 13 अक्टूबर को अपने उम्मीदवारों की घोषणा करूंगा। महुआ से खुद चुनाव लड़ूंगा। बड़े ऐलान होंगे।

हिंडन नहर के पास प्लास्टिक के बैग में एक व्यक्ति का सड़ा-गला शव पाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर इलाके में हिंडन नहर के पास एक प्लास्टिक की थैली में बंद एक व्यक्ति का सड़ा-गला शव पाया गया। थैली को भूरे रंग के टेप से लपेटा गया था। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस को शनिवार शाम मुल्ला कॉलोनी के सामने हिंडन नहर के एक सूखे क्षेत्र के पास एक संदिग्ध वस्तु पड़ी होने की सूचना मिली। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''गाजीपुर थाने की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और उसे भूरे रंग के टेप से कसकर बंद की गई एक प्लास्टिक की थैली मिली। उसे खोलने पर एक सड़ा-गला मानव शव मिला।'' घटनास्थल की घेराबंदी कर दी गई और सबूत इकट्ठा करने के लिए अपराध और फोरेंसिक टीम को बुलाया गया। शव कई दिन पुराना लग रहा था और बुरी तरह सड़ चुका था। पहचान और पोस्टमार्टम के लिए उसे शवगृह में रख दिया गया है। प्रारंभिक जांच में अंदेशा जताया गया है कि व्यक्ति की हत्या कहीं और की गई होगी और उसका शव नहर में फेंक दिया गया होगा। उन्होंने कहा, ''मृत्यु का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चलेगा।'' पुलिस ने बताया कि आस-पास के थानों, गुमशुदा व्यक्तियों के रिकॉर्ड और आसपास के सीसीटीवी फुटेज के जरिए मृतक की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। अधिकारी ने कहा, ''सीसीटीवी फुटेज खंगालने और स्थानीय खुफिया जानकारी जुटाने के लिए कई टीम बनाई गई है। सुराग के लिए आस-पास के इलाकों की तलाशी ली जा रही है।'' पुलिस ने बताया कि एक प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आगे की जांच जारी है।

दिल्ली में लगातार तीसरे दिन तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में तापमान में गिरावट के बीच वायु प्रदूषण धीरे-धीरे बढ़ रहा है और रविवार को यहां वायु गुणवत्ता 'मध्यम' श्रेणी में दर्ज की गई। भारत मौसम विभाग(आईएमडी) के अनुसार दिल्ली में न्यूनतम तापमान 19.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.4 डिग्री कम है। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को न्यूनतम तापामान 19.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था और शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 18.8 डिग्री रहा। सुबह नौ बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 162 दर्ज किया गया, जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। यह शनिवार को दर्ज किए गए 24 घंटे के एक्यूआई 199 तुलना में थोड़ा सुधार दर्शाता है। मौसम विभाग ने दिन में आसमान साफ रहने और अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान जताया है। सुबह आठ बज कर 30 मिनट पर सापेक्षिक आर्द्रता 79 प्रतिशत रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

तेज रफ्तार थार चालक ने बाइक सवार को कुचला, मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। द्वारका साउथ इलाके में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। जहां एक तेज रफ्तार थार कार ने बाइक सवार व्यक्ति को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल शख्स को रागहीरों से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया और पुलिस को हादसे की सूचना दी। अस्पताल में घायल की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, आशीष कुमार नन्हे पार्क, उत्तम नगर के निवासी थे और फायर ऑफिस में काम करते थे। वह 6 अक्टूबर की रात घर लौट रहे थे, तभी सेक्टर 9 के पास पार्क रॉयल अपार्टमेंट के सामने तेज रफ्तार थार ने उनकी बाइक को टक्कर मारी। टक्कर लगने पर आशीष सड़क पर गिर गए और गाड़ी की चपेट में आ गए। घटना के बाद थार चालक मौके से फरार हो गया। द्वारका साउथ थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आशीष का शव पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने थार को जब्त कर लिया है। वाहन हरियाणा नंबर का है। पुलिस ने आरोपी चालक की पहचान कर ली है। उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

काजू के गोदाम में चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली की न्यू अशोक नगर पुलिस ने पांच दिन पहले न्यू कोंडली के काजू गोदाम में हुई चोरी के मामले को सुलझाते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 440 किलोग्राम चोरी के काजू और वारदात में इस्तेमाल टेंपो बरामद किया। आरोपियों में गोदाम का कर्मचारी सागर खान, टेंपो मालिक मुकेश साहू, सचिन और नितिन गुप्ता शामिल हैं। पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया के अनुसार, पांच अक्तूबर की रात न्यू कोंडली मेन मार्केट स्थित गोदाम से करीब 600 किलोग्राम काजू चोरी की शिकायत मिली। त्योहारी सीजन के चलते गोदाम में बड़ी मात्रा में माल रखा गया था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय सूत्र और तकनीकी निगरानी के आधार पर बिना नंबर प्लेट वाले टेंपो की पहचान की। टेंपो गोदाम में काजू ले जाते और बाल्टियों में भरकर ले जाते दिखाई दिया। जांच में टेंपो मालिक मुकेश साहू को घरोली गांव से पकड़ा गया। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि चोरी की योजना सागर खान ने बनाई थी और सचिन के साथ मिलकर काजू चोरी किए। चोरी का माल सागर खान के गांव महरोनी, अलीगढ़ और मंडावली के किराना दुकानदार नितिन गुप्ता को बेचा गया। पुलिस ने नितिन की दुकान से 50 किलोग्राम और सागर खान के गांव से 390 किलोग्राम काजू बरामद किए। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल टेंपो को भी जब्त कर लिया गया। आरोपियों से पूछताछ जारी है और पुलिस नेटवर्क का पता लगा रही है।

गोकुलपुरी से प्रतिबंधित पटाखों की खेप जब्त, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर पूर्वी जिले की गोकुलपुरी पुलिस ने दीवाली से पहले प्रतिबंधित पटाखों की तस्करी करने वाले गिरोह पर कार्रवाई करते हुए 675 किलोग्राम पटाखों की खेप बरामद की है। आरोपी नूर मोहम्मद (42) हापुड़, उत्तर प्रदेश का निवासी है। पुलिस ने उसे चारपहिया वाहन समेत गिरफ्तार किया। पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि गोकुलपुरी थाना क्षेत्र में देर रात गश्त और पिकेट जांच के दौरान अंबेडकर कॉलेज के पास संदिग्ध वाहन को रोका गया। तलाशी लेने पर इसमें भारी मात्रा में प्रतिबंधित पटाखे पाए गए। पूछताछ में आरोपी ने माना कि वह दीवाली से पहले पटाखों को अवैध रूप से बेचने दिल्ली आया था। पुलिस अब आरोपी के नेटवर्क और आपूर्तिकर्ताओं की जानकारी जुटा रही है। जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि इतनी बड़ी मात्रा में पटाखे गाजियाबाद-हापुड़ क्षेत्र से कहां से लाए गए और दिल्ली में वितरण किन लोगों तक होना था। इसके लिए पुलिस तकनीकी साक्ष्य, मोबाइल रिकॉर्ड और अन्य सुरागों की मदद ले रही है। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया है। साथ ही चारपहिया वाहन और सभी पटाखों को जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे अवैध पटाखों की बिक्री या खरीद में शामिल न हों।

रोडरेज में स्कूटी सवार ने बाइक चालक को पीटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। शाहदरा जिले के कृष्णा नगर इलाके में मंगलवार दोपहर सड़क विवाद के दौरान एक स्कूटी सवार ने बाइक सवार युवक पर हमला कर दिया। घटना खंडेलवाल अस्पताल के सामने हुई। हमले में घायल हुए 28 वर्षीय अभिषेक पराशर को तुरंत पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। पुलिस के अनुसार, अभिषेक अपनी बाइक से अस्पताल के सामने से गुजर रहे थे, तभी ट्रैफिक जाम में हॉर्न बजाने को लेकर पास खड़े स्कूटीसवार आरोपी विशु से उनका विवाद हो गया। गुस्से में आरोपी ने हाथापाई कर अभिषेक पर हमला कर दिया। सूचना मिलने के बाद कृष्णा नगर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल का इलाज कराने के साथ ही पीड़ित से बयान लेकर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया। पुलिस अब आरोपी विशु की तलाश कर रही है और सीसीटीवी फुटेज के साथ सभी तथ्यों की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से सड़क पर अनुशासन बनाए रखने और रोडरेज जैसी घटनाओं से बचने की अपील की है।

फिटनेस और खेल दिल्लीवालों की जीवनशैली का हिस्सा बन गए हैं : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज सुबह वेदांता हाफ मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और इस अवसर पर कहा कि ÷फिटनेस और खेल अब दिल्लीवासियों की जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं।÷ मुख्यमंत्री ने इस विशाल आयोजन में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर विशेष रूप से खुशी व्यक्त की और इसे समाज में बढ़ती जागरूकता और समान अवसरों की दिशा में एक सकारात्मक संकेत बताया।

मैराथन में महिला भागीदारी की सराहना

जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से शुरू हुई इस दौड़ में मुख्यमंत्री ने मंच से सभी प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया और उनका अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लिए आज की सुबह अत्यंत ऊर्जा और उत्साह से भरी रही, और युवाओं तथा विशेषकर महिलाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी देखकर गर्व महसूस होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो जागरूकता और समान अवसरों की ओर एक सकारात्मक कदम है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं में दृढ़ निश्चय, अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता जैसे गुणों का विकास होता है।

'स्वस्थ दिल्ली, सशक्त दिल्ली' का संकल्प

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस दौरान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'फिटनेस मूवमेंट' की सराहना की और कहा कि यह अभियान देशभर में स्वास्थ्य के प्रति जन-जागरूकता को नई दिशा प्रदान कर रहा है। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार भी 'स्वस्थ दिल्ली, सशक्त दिल्ली' के संकल्प के साथ राजधानी के प्रत्येक नागरिक को स्वास्थ्य, ऊर्जा और आत्मविश्वास से परिपूर्ण जीवन देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने इस आयोजन को राजधानी दिल्ली में फिटनेस, अनुशासन और सामूहिक ऊर्जा का सशक्त प्रतीक बताया। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री आशीष सूद सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी, खिलाड़ी और गणमान्यजन भी मौजूद थे। कार्यक्रम के समापन पर मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राजमाता झंडेवाला मंदिर में 'सर्व पितृ मुक्ति महायज्ञ' संपन्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजमाता श्री झंडेवाला मंदिर, गोरख पार्क, शाहदरा में रविवार को ÷सर्व पितृ मुक्ति महायज्ञ÷ का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन श्री देवोत्थान सेवा समिति (पंजीकृत) और राजमाता श्री झंडेवाला मंदिर के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। यह महायज्ञ समिति की 25वीं सिल्वर जुबली अस्थि कलश विसर्जन यात्रा के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। इस वर्ष की 3,129 हुतात्माओं सहित, पिछले 25 वर्षों में कुल 1,69,818 दिवंगत आत्माओं की मुक्ति और मोक्ष के लिए कामना की गई।

महंत श्री राजेश्वरानंद जी महाराज का सान्निध्य

मंदिर के पीठाधीश्वर महंत श्री राजेश्वरानंद जी महाराज के सान्निध्य में मंदिर प्रांगण में यह विशेष अनुष्ठान संपन्न हुआ। मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित रोहित शर्मा ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना और यज्ञ करवाया। समिति के अध्यक्ष अनिल नरेंद्र और महामंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में 15 सदस्यीय दल ने यज्ञ में आहुति देकर समस्त पितृदेवों के मोक्ष की कामना की। कार्यक्रम के बाद, मंदिर के प्रबंधक राम वोहरा ने प्रसाद वितरित कर विशाल भंडारे का आयोजन किया।

कार्तिक माह में पितृ पूजन का महत्व

इस अवसर पर स्वामी राजेश्वरानंद जी महाराज ने पितृदेवों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कार्तिक माह में पितृदेवों का पूजन, हवन, यज्ञ और तर्पण का विशेष महत्व होता है। उन्होंने बताया कि जो परिवार तीज-त्योहारों पर अपने पितृदेवों को याद कर हर्षोल्लास से त्यौहार मनाते हैं, वहाँ उनके पूर्वज भी उपस्थित होकर उन्हें आशीर्वाद प्रदान करते हैं। महाराज श्री ने यज्ञ में आए सभी आगंतुकों को कार्तिक माह में विशेष पूजनीय तुलसी माता का पौधा भी वितरित किया।

गणमान्यजन रहे उपस्थित

इस विशेष धार्मिक आयोजन में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में योगेन्द्र सिंह मान, गोपाल वर्मा, पंकज कुमार, निर्जला मान, इंदु शर्मा, सुनयना सिंह, अखिल भारतीय संयुक्त ब्राह्मण समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं ब्राह्मण पेशवा पंडित राधेश्याम शर्मा जमादग्नि, सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी पवन वशिष्ठ, मशहूर यूट्यूबर कृष्ण अवतार शर्मा, दशा परिवर्तन समिति के प्रमुख विजय सक्सेना, नमन शर्मा, समय वर्मा, मयंक राठौड़, प्रिंस, धर्मेंद्र भदौरिया, मुकेश मधुर, और सुरेन्द्र यादव सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

गांवों को हाउस टैक्स से मुक्त करने की मांग तेज, दिल्ली पंचायत संघ ने महापौर से तत्काल निर्णय का आह्वान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पंचायत संघ ने पंचायत प्रमुखों की बैठक में दिल्ली देहात के गांवों पर लगाए गए विभिन्न करों और निगमीय नियमों को तत्काल समाप्त करने की मांग करते हुए नगर निगम के महापौर, उपमहापौर, स्थायी समिति अध्यक्ष तथा राजनीतिक नेतृत्व से संयुक्त रूप से हस्तक्षेप करने का आह्वान किया। संघ का कहना है कि बेबुनियाद शुल्क और कठोर उपनियम ग्रामीण आबादी पर अनावश्यक बोझ हैं, जिनसे आवासीय-आर्थिक गतिविधियों तथा बुनियादी सुविधाओं का विकास बाधित हो रहा है। बैठक में प्रस्ताव पारित कर गांवों को हाउस टैक्स से मुक्त करने, भवन उपनियमों के दायरे से बाहर रखने तथा लंबित मांगों पर ठोस निर्णय की आवश्यकता रेखांकित की गई। प्रतिनिधियों ने कहा कि निगम द्वारा थोपे गए शुल्कों और प्रक्रियात्मक अड़चनों के चलते ग्रामीणों को मकान निर्माण, व्यवसायिक गतिविधियों के विस्तार और स्वामित्व से जुड़े प्रमाणों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। पंचायत स्तर पर उठाए गए मुद्दों को लेकर शीघ्र समयबद्ध रोडमैप की अपेक्षा व्यक्त की गई। दिल्ली पंचायत संघ के प्रमुख थान सिंह यादव ने संघ की 18 सूत्रीय मांगों में नगर निगम से संबंधित चार प्रमुख बिंदुओं पर विशेष जोर दिया। उनके अनुसार, गांवों में हाउस टैक्स, कन्वर्ज़न शुल्क और पार्किंग शुल्क तत्काल समाप्त किए जाएं, ताकि ग्रामीण परिवारों पर आर्थिक दबाव कम हो। साथ ही, गांवों को भवन उपनियमों से निष्कासित कर स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप निर्माण-अनुमतियों को सरल बनाया जाए। संघ ने आगे मांग रखी कि गांवों को व्यावसायिक श्रेणी में समुचित रूप से शामिल किया जाए, जिससे रोजगार, सूक्ष्म-लघु उद्यम और सेवा क्षेत्र की संभावनाएं मजबूत हों। इसके अतिरिक्त, नगर निगम के विद्यालयों को 卐सीएम श्री स्कूल卐 के मानकों पर उन्नत कर ग्रामीण बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रयोगशाला-क्रीड़ा सुविधाएं और डिजिटल अवसंरचना सुनिश्चित की जाए। बैठक में सह प्रमुख सुनील शर्मा, शिवकुमार यादव (शकूरपुर), नरेंद्र दत्त (नरेला) और पंच प्रमुख अधिवक्ता यमन यादव सहित प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती नीतिगत आश्वासनों के बावजूद देहात की समस्याओं पर अपेक्षित प्रगति नहीं हुई। वक्ताओं ने कहा कि दिल्ली देहात की आबादी को मालिकाना हक, कर-छूट और नियामकीय राहत देकर सम्मानजनक विकास पथ पर लाना शासन और निगम दोनों की साझा जिम्मेदारी है। संघ ने चेताया कि यदि निगम और सरकार ने समय रहते पहल नहीं की तो गांव-स्तर पर आक्रोश बढ़ेगा और सामूहिक जनमत आंदोलन का रूप ले सकता है। प्रतिनिधियों ने कहा कि प्रशासन को तत्काल वार्ता-तंत्र स्थापित कर मांगों पर कार्ययोजना घोषित करनी चाहिए—जिसमें शुल्क-माफी का स्पष्ट आदेश, उपनियमों में ग्रामीण अपवाद, व्यावसायिक वर्गीकरण की रूपरेखा और विद्यालय उन्नयन का कैलेंडर शामिल हो। पंचायत संघ ने अंत में कहा कि 'गांवों को हाउस टैक्स से मुक्त कर, मालिकाना हक बहाल कर और निगमीय प्रक्रियाएं सरल कर दिल्ली देहात को वास्तविक सम्मान दिया जा सकता है।' संघ ने सभी पक्षों से आग्रह किया कि नीति-निर्माण में ग्रामीण स्वशासन की भागीदारी बढ़ाई जाए, ताकि समाधान ज़मीन-स्तर की जरूरतों से मेल खाए और दीर्घकालिक बने।

'वोट चोरी' के खिलाफ दिल्ली कांग्रेस का हस्ताक्षर अभियान, नई दिल्ली व महरौली जिलों में सैकड़ों कार्यकर्ता जुटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (वेब वार्ता)। भाजपा पर 'वोट चोरी' के आरोपों के विरोध में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव के निर्देश पर नई दिल्ली जिला और महरौली जिला कांग्रेस कमेटियों ने हस्ताक्षर अभियान आयोजित किया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने भागीदारी दर्ज कराई। अभियान का उद्देश्य मताधिकार की रक्षा को जनांदोलन का रूप देना और कथित चुनावी अनियमितताओं के खिलाफ जनसमर्थन जुटाना रहा।

नई दिल्ली जिले में जमरुदपुर पर हुए हस्ताक्षर अभियान का संचालन जिला अध्यक्ष विरेंद्र कसाना ने किया, जबकि महरौली जिले में मसूदपुर पर जिला अध्यक्ष राजेश चौहान की अगुवाई में अभियान चला। दोनों स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने बाजारों और आवासीय क्षेत्रों में जनसंपर्क करते हुए हस्ताक्षर जुटाए तथा लोगों को मताधिकार की संवैधानिक महत्ता और चुनावी पारदर्शिता के मुद्दों पर जागरूक किया।

नई दिल्ली जिला कार्यक्रम में लोकसभा प्रेक्षक अधिवक्ता सुनील कुमार, जिला प्रेक्षक गौरी शंकर शर्मा, बेनीराम, गरवित सिंघवी, नीतू सेहरावत, देशराज, नीतू वर्मा, विशेष टांक, मास्टर रतिराम और विजय बहोत मौजूद रहे। महरौली जिले के कार्यक्रम में पूर्व विधायक विजय लोचक, कर्नल देविंदर सहरावत, विधायक प्रत्याशी राजेंद्र तंवर, महिला कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पा सिंह, मांगे राम सोलंकी, पूर्व उप महापौर परवीन राणा, पर्यवेक्षक रोहताश बसोया, बालकिशन बाली, प्रदेश जिला महिला अध्यक्ष संतोष मलिक, पूर्व पार्षद अनिता चौधरी और मीर सिंह सहित कई पदाधिकारी शामिल हुए।

प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आरोप दोहराते हुए कहा कि 'वोट चोरी' लोकतंत्र पर प्रहार है और कांग्रेस इस मुद्दे पर देशव्यापी हस्ताक्षर अभियान चला रही है। उनके अनुसार, कांग्रेस नेतृत्व ने कथित चुनावी अनियमितताओं के उदाहरण सामने रखकर जनसमर्थन को संगठित करने की रणनीति अपनाई है, ताकि युवाओं, छात्रों और प्रथम बार मतदाताओं को लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए प्रेरित किया जा सके।

कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि अभियान के दौरान जनता को प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से भरोसा दिलाया जा रहा है कि पार्टी चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता, निष्पक्षता और संस्थागत जवाबदेही को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यकर्ताओं ने आह्वान किया कि वार्ड-स्तर, ब्लॉक-स्तर और आरडब्ल्यूए मंचों के माध्यम से हस्ताक्षर अभियान को जनांदोलन बनाकर राजधानी भर में फैलाया जाएगा।

कार्यक्रम के समापन पर जिला इकाइयों ने कहा कि आगे के चरणों में बूथ-स्तरीय जागरूकता, कानूनी-लोकनीति संवाद और नागरिक समूहों के साथ संयुक्त पहल के माध्यम से अभियान को गति दी जाएगी। पार्टी ने प्रशासन से भी अपेक्षा जताई कि चुनावी शिकायतों के निस्तारण, निगरानी तंत्र और मतदाता सूची शुद्धिकरण पर कड़ी और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे मतदाता विश्वास सुदृढ़ हो और लोकतांत्रिक प्रक्रिया निष्पक्ष रूप से आगे बढ़े।

कुख्यात गैंगस्टर राशिद केबलवाला अजरबैजान में गिरफ्तार, भारत लाने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में कई हत्याओं में शामिल कुख्यात भगोड़ा गैंगस्टर राशिद केबलवाला को इस्तांबुल से अज़रबैजान पहुंचने पर हिरासत में ले लिया गया। यह स्पष्ट नहीं है कि ज़मानत पर रिहा होने के बाद उसे वहां कैद किया गया है या निगरानी में रखा गया है। भारतीय खुफिया एजेंसियां अब उसे वापस लाने की तैयारी कर रही हैं। भारतीय खुफिया एजेंसी, राफेल के सूत्रों के अनुसार, विदेश मंत्रालय द्वारा सभी कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद उसे दो से तीन हफ़्तों के भीतर देश वापस लाया जा सकता है। जानकारी के अनुसार, केबलवाला 'मोस्ट वांटेड' सूची में है। उसके रिश्तेदार के अनुसार, उसे बाकू के हैदर अलीयेव अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों ने उसके यात्रा दस्तावेजों में विसंगतियों के कारण हिरासत में लिया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इसकी पुष्टि की और कहा कि वे उचित माध्यमों से उसके आपराधिक इतिहास और दस्तावेज़ों का विवरण साझा करेंगे। केबलवाला जेल में बंद गैंगस्टर हाशिम बाबा का करीबी सहयोगी है और उसके गिरोह के लिए काम करता था। वह लॉरेंस बिश्नोई सिंडिकेट से भी जुड़ा है। पिछले साल सितंबर में ग्रेटर कैलाश-1 में व्यवसायी नादिर शाह की हत्या में उसका नाम था। पिछले साल दिवाली की रात पूर्वी दिल्ली में हुए दोहरे हत्याकांड में भी उस पर आरोप लगा था। हालांकि, पिछले साल दिसंबर में पूर्वी दिल्ली के कृष्णा नगर में व्यवसायी सुनील जैन की हत्या में उसका नाम सामने आने के बाद, केबलवाला दिल्ली पुलिस के लिए सबसे वांछित भगोड़ों में से एक बन गया। दिल्ली पुलिस द्वारा गिरफ्तारी के एक साल बाद, केबलवाला 2022 में देश छोड़कर भाग गया। सूत्रों के अनुसार, केबलवाला ने दावा किया था कि सुनील जैन की हत्या पिछले साल अक्टूबर में इसी इलाके में हुई दो हत्याओं का 卐बदला卐 थी, लेकिन उसने अपनी संलिप्तता से इनकार करते हुए दावा किया कि जैन निशाने पर नहीं था, बल्कि विराट नाम का एक व्यक्ति था, जिसकी हत्या की जानी थी।

दिल्ली मेट्रो में 60 फीसदी बिजली की जरूरतें सौर ऊर्जा से होगी पूरी

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने बिजली की बचत और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में फेज चार में बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत डीएमआरसी ने हर वर्ष 500 मिलियन यूनिट हरित ऊर्जा आपूर्ति के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की है। इस पर अमल सुनिश्चित होने पर डीएमआरसी फेज चार में अपनी 60 प्रतिशत बिजली की जरूरतें सौर ऊर्जा से पूरा करेगा। इससे मेट्रो परिचालन में पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम हो जाएगी। मौजूदा समय में डीएमआरसी को रीवा सोलर पार्क से हर वर्ष 350 मिलियन यूनिट बिजली आपूर्ति हो रही है। इसके अलावा एलिवेटेड मेट्रो स्टेशनों की छतों के ऊपर, डिपो और मेट्रो के आवासीय कॉलोनियों में भी सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए गए हैं। इससे हर वर्ष 40 मिलियन यूनिट बिजली उत्पन्न होती है। इससे मेट्रो में 33 प्रतिशत बिजली की जरूरतें पूरी हो रही है। दिन के वक्त मेट्रो परिचालन में करीब 65 प्रतिशत बिजली की जरूरतें सौर ऊर्जा से पूरी होती है। अगले साल तक पूर हो जाएंगे तीन कॉरिडोर फेज चार में कुल 110.617 किलोमीटर लंबाई के छह कॉरिडोर बनेंगे। इसमें शामिल तीन प्रमुख कॉरिडोर में से मौजपुर-मजलिस पार्क बनकर तैयार है। वहीं, जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम कॉरिडोर और तुगलकाबाद-एरोसिटी कॉरिडोर का निर्माण भी अगले वर्ष तक पूरा होने की उम्मीद है। इन तीनों कॉरिडोर की लंबाई 63.392 किलोमीटर होगी। इसके अलावा 47.225 किलोमीटर लंबाई के तीन अन्य कॉरिडोर का भी निर्माण होना है। जिसमें रिठाला-नरेला-कुंडली, लाजपत नगर-साकेत जी ब्लॉक और इंद्रलोक-इंद्रप्रस्थ कॉरिडोर शामिल है। फेज चार की परियोजनाएं पूरी होने पर मेट्रो में बिजली की खपत बढ़ेगी। इसके मद्देनजर डीएमआरसी ने हरित ऊर्जा बिजली की आपूर्ति बढ़ाने की योजना तैयार कर उस पर काम शुरू किया है।

'सूचना का अधिकार लोकतंत्र की मज़बूती, भाजपा सरकार आरटीआई को करे सशक्त': अनिल भारद्वाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन और पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम की 20वीं वर्षगांठ के अवसर पर केंद्र की भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राजीव भवन स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री भारद्वाज ने कहा कि आरटीआई जैसा महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक अधिकार कमज़ोर हो रहा है, जो देश के लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने माँग की कि मौजूदा भाजपा सरकार इस कानून को पुनः मजबूत और पारदर्शी बनाए।

आरटीआई कानून को कमजोर करने का आरोप

अनिल भारद्वाज ने कहा कि ऐतिहासिक आरटीआई अधिनियम 12 अक्टूबर 2005 को डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व और यूपीए चेयरपर्सन श्रीमती सोनिया गांधी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में लाया गया था, जिसका उद्देश्य शासन और प्रशासन को पारदर्शी और जवाबदेह बनाना था। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2014 के बाद मौजूदा भाजपा की मोदी सरकार, पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार की तरह, आरटीआई कानून को लगातार कमजोर कर रही है। उन्होंने कहा कि आरटीआई केवल एक कानून नहीं है, बल्कि भारत के नागरिकों के संवैधानिक और सामाजिक सशक्तिकरण का माध्यम है।

2019 के संशोधनों से आयोगों की स्वायत्तता हुई कम

कांग्रेस नेता ने आरटीआई कानून पर हुए संशोधनों की आलोचना करते हुए कहा कि भाजपा ने 2019 में कई संशोधन करके इस कानून की स्वतंत्रता को कमज़ोर किया। उन्होंने बताया कि इन संशोधनों ने सूचना आयोगों की स्वायत्तता को कम कर दिया। पहले आयुक्तों का कार्यकाल 5 वर्ष तय था और उनकी सेवा शर्तें सुरक्षित थीं, लेकिन संशोधन के बाद केंद्र सरकार ने आयुक्तों का कार्यकाल और सेवा शर्तें तय करने का अधिकार अपने पास रख लिया, जिससे कार्यपालिका का दखल बढ़ा।

'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट' से पारदर्शिता पर आघात

श्री भारद्वाज ने डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन (डीपीडीपी) अधिनियम, 2023 की धारा में हुए संशोधन पर भी चिंता व्यक्त की। इस संशोधन के तहत यह तय किया गया है कि ÷कोई भी ऐसी जानकारी जो व्यक्तिगत जानकारी से संबंधित हो, प्रकट नहीं किया जाएगा।÷ उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अब महत्वपूर्ण सार्वजनिक डेटा को ÷निजी÷ मानकर मतदाता सूची, व्यय विवरण या अन्य जनहित से जुड़ी सूचनाओं के प्रकटीकरण से इनकार करने का रास्ता खोल रही है, जिससे सूचना के अधिकार के तहत दी जाने वाली जानकारी भी रोकी जा रही है।

आयोगों में रिक्तियों पर चिंता

अनिल भारद्वाज ने आरोप लगाया कि अपनी जिम्मेदारियों से भागने के लिए भाजपा केंद्रीय और राज्य सूचना आयोगों पर नियंत्रण कसकर हमला कर रही है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय सूचना आयोग में 11 स्वीकृत पदों के मुकाबले केवल दो आयुक्त कार्यरत हैं, और सितंबर 2025 के बाद मुख्य आयुक्त का पद भी रिक्त है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद सरकार नियुक्तियों की समयबद्ध प्रक्रिया नहीं अपना रही है। इस कमी के चलते आरटीआई में लंबित मामलों की संख्या बढ़ रही है। जून 2024 तक देश भर के 29 आयोगों में लगभग 4,05,000 अपीलें और शिकायतें लंबित थीं, जो 2019 की तुलना में लगभग दोगुनी हैं। नवंबर 2024 तक केवल केंद्रीय सूचना आयोग में ही लगभग 23,000 लंबित मामले हैं।

कांग्रेस की प्रमुख माँगें

श्री अनिल भारद्वाज ने आरटीआई एक्ट को मजबूत बनाने के लिए सरकार से निम्नलिखित माँगें की-

2019 के संशोधनों को निरस्त किया जाए और सूचना आयोगों की स्वतंत्रता बहाल कर 5 वर्ष का निश्चित कार्यकाल सुनिश्चित किया जाए।

डीपीडीपी अधिनियम की उन धाराओं की समीक्षा की जाए जो आरटीआई के जनहित उद्देश्य को कमज़ोर करती हैं।

केंद्र और राज्य आयोगों में सभी रिक्तियाँ पारदर्शी व समयबद्ध प्रक्रिया से तुरंत भरी जाएँ।

व्हिसलब्लोअर प्रोटेक्शन अधिनियम को पूर्ण रूप से लागू कर आरटीआई उपयोगकर्ताओं को सशक्त सुरक्षा प्रदान की जाए।

आयोगों में विविधता सुनिश्चित करने के लिए पत्रकारों, शिक्षाविदों और महिला प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाए।

उन्होंने अंत में दोहराया कि आरटीआई आधुनिक भारत के सबसे महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक सुधारों में से एक है, और इसे कमज़ोर करना लोकतंत्र को कमजोर करना है। इस प्रेस वार्ता में श्री भारद्वाज के साथ कम्युनिकेशन विभाग के वाईस चेयरमैन श्री अनुज आत्रेय और आरटीआई सेल के चेयरमैन श्री राम निवास शर्मा भी मौजूद थे।

सडक़ें गड्ढा मुक्त करने का देना होगा प्रमाण पत्र : आयुष सिन्हा

आयुक्त ने इंजीनियरिंग विंग के अधिकारियों के साथ की बैठक में दिए निर्देश

संवाददाता

गुरुग्राम। मानेसर नगर निगम क्षेत्र में सडक़ों को गड्ढा मुक्त करना ही काफी नहीं होगा, बल्कि इसके लिए अधिकारियों को प्रमाण पत्र देना होगा। तभी सडक़ों को गड्ढा मुक्त माना जाएगा। यह निर्देश निगमायुक्त आयुष सिन्हा ने शुक्रवार को इंजीनियरिंग विंग के अधिकारियों के साथ बैठक में दिए।

नगर निगम आयुक्त आयुष सिन्हा ने कहा कि निगम की इंजीनियरिंग विंग निगम क्षेत्र की सडक़ों को एक सप्ताह के भीतर गढ्ढा मुक्त करके प्रमाण पत्र दें। वार्डों में नई बनने वाली सडक़ों और गलियों के निर्माण की जरूरी प्रक्रिया पूरी करके जल्द काम शुरू करवाने के निर्देश दिए। आयुक्त आयुष सिन्हा ने अधिकारियों को आदेश देते हुए कहा कि सडक़ों को गड्ढा मुक्त करें और एक सप्ताह के भीतर काम पूरा करके प्रमाण पत्र आयुक्त कार्यालय में दें। आयुक्त ने निगम क्षेत्र के गांवों की मुख्य सडक़, फिरनी और आंतरिक सडक़ों के सुधार और निर्माण के आदेश देते हुए कहा कि आमजन को सुगम और गढ्ढा मुक्त रास्तें बनाकर देना ही निगम का मुख्य ध्येय है। मानसून सीजन खत्म हो गया है। अब

निर्माण कार्यों में तेजी लाएं। स्पेशल रोड रिपेयरिंग के तहत सडक़ों को ठीक किया जाए। इस दौरान उन्होंने म्हारी सडक़ ऐप का रिव्यू किया और अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए कहा कि ऐप पर मिलने वाली शिकायतों का त्वरित समाधान करके नागरिकों को बताया जाए। तय समय के भीतर शिकायतों को संबंधित विभाग के पास भेजा जाए। सडक़ों के निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। निगम क्षेत्र में कई जगहों से शिकायत मिली है कि अभी हाल ही में बनी सडक़ों में गढ्ढें या टाइलें धंस गई है। डिफेक्ट लाइबिलिटी के तहत एजेंसी से उन्हें दुरूस्त करवाया जाए। रोजाना होने वाले निर्माण और काम की रिपोर्ट देना सुनिश्चित करें। बैठक में उनके साथ एक्सईएन मंदीप धनखड़, निजेश, सुशील ठाकरान, एसडीओ अमन राठी, विकास शर्मा, संजोग शर्मा, अनिल मलिक मौजूद रहे।

मानेसर की मेयर ने कासन गांव में किया पीएचसी का शिलान्यास

एक साल के भीतर बनकर तैयार होगा यह भवन

मानेसर नगर निगम की मेयर ने किया शिलान्यास

संवाददाता

गुरुग्राम। नगर निगम मानेसर की मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर यादव ने शुक्रवार को गांव कासन में बनने वाले प्राइमरी हेल्थ सेंटर (पीएचसी) भवन का शिलान्यास किया। भवन के निर्माण पर नगर निगम 4 करोड़ 72 लाख रुपये खर्च करेगा। यह भवन एक साल में बनकर तैयार होगा।इस अवसर पर मेयर डा. इंद्रजीत कौर यादव ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि एक एकड़ में बनने वाला यह भवन दो मंजिला होगा। इसमें करीब 60 कमरें बनाए जाएंगें। पीएचसी के निर्माण के बाद लोगों को गांव में ही अच्छा ईलाज मिलेगा। मरीजों के लिए ओपीडी व ऑपरेशन थिएटर की सुविधा भी होगी। मेयर ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में लोगों की सहूलियत को देखते हुए जरूरी कामों को प्राथमिकता से किया जा रहा है। निगम क्षेत्रवासियों को साफ पानी, अच्छी सडक़ें, पार्क, स्वच्छता जैसी सुविधाएं देने का प्रयास किया जा रहा है।इस दौरान मेयर ने ग्रामीणों को आश्वासन देते हुए कहा कि गांव की जरूरत के मुताबिक सभी काम पूरे किए जाएंगें। उन्होंने कहा कि निगम की ओर से किए जा रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता में कोई कमी मिलती है, तो इसके बारे में उन्हें सूचित किया जाए। यहां पहुंचने पर ग्रामीणों ने मेयर डॉ इंद्रजीत कौर यादव का फूल

मालाओं से स्वागत और धन्यवाद किया। इस दौरान उनके साथ पार्षद भूपेंद्र, निगम के एसडीओ अमन राठी, जेई पुनीत कुमार सहित गांव कासन के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

एंबियंस आइलैंड में टैक्स बकाया होने पर तीन प्रॉपर्टी की गई सील

नगर निगम गुरुग्राम की ओर से की गई यह कार्रवाई

संवाददाता

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम ने प्रॉपर्टी टैक्स डिफॉल्टरों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए शुक्रवार को एंबियंस आइलैंड क्षेत्र में स्थित तीन प्रॉपर्टीज को सील कर दिया। निगम के अनुसार, इन प्रॉपर्टीज पर 3 करोड़ रुपये से अधिक का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया है।

नगरा निगम की ओर से बार-बार नोटिस और चेतावनी देने के बावजूद भी संबंधित प्रॉपर्टी मालिकों द्वारा टैक्स का भुगतान नहीं किया गया था। यह कार्रवाई जोन-3 के जोनल टैक्स ऑफिसर राजेश यादव की टीम द्वारा की गई। निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर कानूनी प्रक्रिया के तहत तीनों प्रॉपर्टीज को सील किया।

निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने बताया कि नगर निगम द्वारा टैक्स डिफॉल्टरों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रॉपर्टी टैक्स नगर निगम की आय का प्रमुख स्रोत है, जिससे शहर में विकास कार्यों के लिए धन उपलब्ध होता है। अत- टैक्स अदायगी में लापरवाही बरतने वालों

के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे समय पर अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा करें ताकि उनके खिलाफ किसी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई न की जाए। निगम ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि सीलिंग के बाद भी टैक्स बकाया नहीं चुकाया गया, तो संबंधित प्रॉपर्टीज की नीलामी की प्रक्रिया भी शुरू की जा सकती है। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा प्रॉपर्टी टैक्स वसूली को लेकर चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत यह कार्रवाई अब तक की बड़ी कार्रवाइयों में से एक मानी जा रही है।

करवाचौथ पर्व पर सुहागिनों ने की पति की दीर्घायु की कामना

कहीं घरों में, कहीं पार्कों में सुनी गई कहानियां

दिनभर बाजारों में भी मेहंदी लगाती व खरीदारी करती रही महिलाएं

संवाददाता

गुरुग्राम। करवाचौथ का पर्व शुक्रवार को पूरी आस्था व उत्साह के साथ मनाया गया। सुहागिनों ने अपने पति की लंबी उम्र के लिए यह व्रत रखा। महिलाएं दुल्हन की तरह सजी नजर आईं। करवाचौथ व्रत के दौरान भगवान शिव-पार्वती, कार्तिकेय, गणेश का पूजन किया गया। महिला अंजु, रमेश कुमारी, रीटा मीना, शिवानी, डा. स्वाति, रिया, हरी ओम, मंजू बहल संतोष, क्यूटी, ज्योति सुनीता, प्रिया शर्मा, वंदना आदि महिलाओं ने करवाचौथ की एक-दूसरे को बधाई भी दी।

आधुनिकता के इस दौर और बदलते परिवेश में करवाचौथ का महत्व और भी अधिक बढ़ गया है। अब युवतियां भी सुयोग्य वर प्राप्ति के लिए करवाचौथ का व्रत रखती हैं। बड़ी संख्या में युवतियों ने भी करवाचौथ का व्रत रखकर मनवांछित वर मिलने की कामना की। परिवार की वृद्ध महिलाओं ने विवाहित महिलाओं को करवाचौथ की कथा सुनाई और उन्हें सौभाग्यवती रहने का आशीर्वाद भी दिया। चंद्रमा को अर्ध्य देकर सुहागिनों ने अपना व्रत

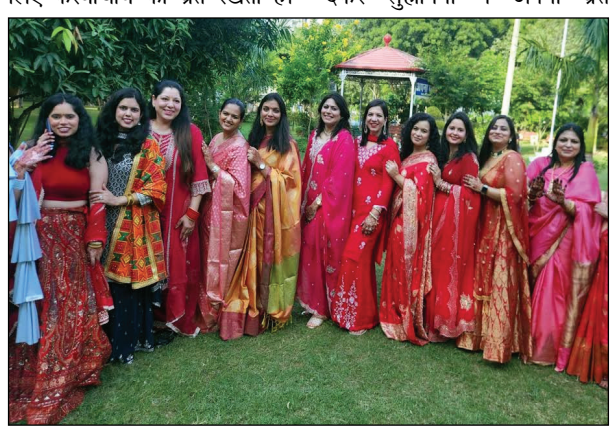

खोलकर बड़े-बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया। करवाचौथ का पर्व सदियों से मनाया जाता आ रहा है। सनातन धर्म में नारी को शक्ति का रुप माना जाता है।

नगर निगम ने स्वच्छता महाअभियान में नागरिकों से जुडऩे की करी अपील

संवाददाता

गुरुग्राम। स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ गुरुग्राम के निर्माण के उद्देश्य से नगर निगम गुरुग्राम द्वारा शनिवार को सेक्टर-4/7 चौक पर विशेष स्वच्छता (श्रमदान) महा अभियान आयोजित किया जाएगा। इस अभियान में गुरुग्राम की मेयर राजरानी मल्होत्रा, नगर निगम पार्षदगण, वरिष्ठ अधिकारीगण, एनजीओ प्रतिनिधि, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के सदस्य और स्थानीय निवासी उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। नगर निगम द्वारा इस पहल का उद्देश्य शहरवासियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सामूहिक प्रयासों से सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ बनाना है। अभियान के दौरान निगम अधिकारी नागरिकों से अपील करेंगे कि वे अपने आस-पास सफाई बनाए रखें और गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग करके निगम की कचरा गाडिय़ों में ही डालें।

इसी के साथ जोन-4 क्षेत्र की टीम द्वारा गुरुग्राम बस स्टैंड के आसपास के इलाकों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान सडक़ किनारे और सार्वजनिक स्थलों से कचरा हटाने, दीवारों की सफाई और सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

मेयर राजरानी मल्होत्रा ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस स्वच्छता महाअभियान में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर शहर को स्वच्छता की दिशा में अग्रणी बनाने में सहयोग दें। उन्होंने कहा कि स्वच्छ गुरुग्राम हमारा सामूहिक संकल्प है, और इसकी सफलता हर नागरिक की भागीदारी से ही संभव है। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में ऐसे अभियान निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि स्वच्छता के प्रति नागरिकों में स्थायी आदत विकसित हो और गुरुग्राम स्वच्छ शहर की श्रेणी में अपनी अग्रणी स्थिति बनाए।

करवाचौथ महोत्सव में महिलाओं ने दिया पर्यावरण बचाने का सामाजिक संदेश

महोत्सव में डिंपल जिंदल बनी क्वीन ऑफ द करवा पर्व

पर्यावरण संरक्षण के साथ पटौदी जाटोली मंडी परिषद को स्वच्छता की दी नसीहत

संवाददाता

गुरुग्राम। पटौदी जाटोली मंडी परिषद के पुराना हेली मंडी नगर पालिका इलाके में महाराजा अग्रसेन सामुदायिक भवन में करवाचौथ पर्व पारंपरिक तरीके से मनाया गया। भारतीय सनातन संस्कृति में सौभाग्य का प्रतीक सांस्कृतिक पर्व महिला संगठन हेली मंडी और एक अवेयरनेस सोसायटी हेली मंडी के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी महिलाओं के बीच लकी ड्रा में सौभाग्यशाली विजेता ऊषा बंसल, वैष्णवी और बीना सैनी रही है। एक प्रतियोगिता में विजेता महिला को क्वीन ऑफ दी करवा चौथ पर्व की उपाधि प्रदान की गई। इस मामले में सबसे अधिक सौभाग्यशाली और विजेता डिंपल जिंदल रही, जिनको क्वीन ऑफ दी करवा चौथ पर्व की उपाधि प्रदान की गई। आयोजक मंडल की प्रमुख और इको अवेयरनेस सोसायटी हेली मंडी की अध्यक्ष कुसुम गुप्ता ने बताया इस आयोजन में सबसे महत्वपूर्ण इवेंट स्वास्थ्य और स्वच्छता को केंद्र में रखा गया। एक नाटक के माध्यम से पटौदी जाटोली मंडी परिषद को शहर

में स्वच्छता के लिए नसीहत भी देने का काम किया गया है। पटौदी-हेली मंडी क्षेत्र को मिलाकर लगभग 40 विभिन्न डॉक्टर फैमिली की महिला सदस्य भी इस आयोजन में विशेष रूप से शामिल हुई । इसके साथ-साथ पटौदी जाटोली मंडी परिषद की निर्वाचित सभी महिला पार्षदों को भी विशेष रूप से आमंत्रित और सम्मानित किया गया। कुसुम गुप्ता ने बताया पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य के लिए स्वच्छ वातावरण का होना समय की मांग ही नहीं युवा पीढ़ी के जीवित रहने के लिए मूलभूत अधिकार भी है।

सिकंदरपुर घोसी की सरपंच की पुत्रवधू ने फांसी लगाकर दी जान

परिवार ने कहा बीमारी से हुई है मौत, पति का पहले हो चुका है निधन

संवाददाता

गुरुग्राम। यहां सिकंदरपुर घोसी गांव में पूर्व सरपंच की पुत्रवधू ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। ससुरालियों ने इसे बीमारी से मौत होने की बात कही गई। महिला के पति का पहले निधन हो चुका है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने शुक्रवार को बताया कि पुलिस मौत के कारणों की तलाश कर रही है।

जानकारी के अनुसार सिकंदरपुर घोसी गांव में पूर्व सरपंच राममेहर यादव की पुत्रवधू रीतू यादव ने फांसी लगाकर सुसाइड किया है। उसके पति नरेंद्र सिंह का करीब दो साल पहले निधन हुआ था। रीतू यादव का ससुर केंद्र सरकार में स्वास्थ्य विभाग से सेवानिवृत है। ससुरालियों ने बीमारी से निधन होने की बात कही है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में फांसी से महिला की मौत होने का पता चला है। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम में मौत के कारणों का खुलासा होगा।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

संवाददाता

गुरुग्राम। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर साईबर सिटी के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यक्रमों का आयोजन चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ी संस्थाओं द्वारा किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने भाग लिया और उन्हें विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के बारे में जानकारी दी। इसी क्रम में झाड़सा रोड स्थित सिटीजन अस्पताल परिसर में कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें मानसिक रोग विशेषज्ञ डा. स्वाति सिंधू व अन्य विशेषज्ञों ने भी अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि सोशल मीडिया को दिनचर्या का एक छोटा हिस्सा अवश्य बनाएं, लेकिन अपनी जिंदगी का हिस्सा न बनने दें। डा. स्वाति ने लोगों को जागरुक करते हुए कहा कि आजकल सोशल मीडिया का जमाना है। हर कोई सोशल मीडिया पर सक्रिय है। सोशल मीडिया पर पहले तो बड़ी ख्याति मिलती है, लेकिन जब उसमें कुछ गिरावट आनी शुरु होती है तो संबंधित व्यक्ति को मानसिक परेशानियां होने लगती हैं और वह अपने काम व समाज से दूर होना शुरु कर देता है। ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति उसके लिए बड़ी भयानक साबित हो सकती है। ऐसी संकट की घड़ी में उसका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हुए बिना नहीं रहता। डा. स्वाति का कहना है कि ऐसे में परिवार को उसे हर तरह से सहयोग करना चाहिए और जहां तक हो सके उसकी काउंसलिंग कराकर इस परिस्थिति से उबारने में मदद की जानी चाहिए। उनका कहना है कि यदि ऐसे समय में पीड़ित का साथ न दिया जाए तो वह मानसिक तनाव, चिड़चिड़ापन आदि मानसिक समस्याओं का शिकार हो सकता है। इसी प्रकार प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग के निदेशक डा. ब्रह्मदीप सिंधू का भी कहना है कि आगे निकलने की होड़ में युवा मानसिक समस्याओं का शिकार हो रहे हैं, ऐसे में उन्हें परिवार, समाज व मित्रों के सहयोग की सख्त जरुरत है।

सुहागिनों ने कथा सुन रखा करवाचौथ का व्रत, पति की दीर्घायु के लिए की कामना

संवाददाता

गुरुग्राम। पति की दीर्घायु के लिए विवाहित महिलाओं ने शुक्रवार को करवाचौथ का व्रत रखकर भगवान शिव-पार्वती, कार्तिकेय, गणेश का पूजन किया। आधुनिकता के इस दौर और बदलते परिवेश में करवाचौथ का महत्व और भी अधिक बढ़ गया है। अब युवतियां भी सुयोग्य वर प्राप्ति के लिए करवाचौथ का व्रत रखती हैं। बड़ी संख्या में युवतियों ने भी करवाचौथ का व्रत रखकर मनवांछित पति की कामना की। परिवार की वृद्ध महिलाओं ने विवाहित महिलाओं को करवाचौथ की कथा सुनाई और उन्हें सौभाग्यवती रहने का आशीर्वाद भी दिया। चंद्रमा को अर्ध्य देकर सुहागिनों ने अपना व्रत खोलकर बड़े-बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया।

यह है करवाचौथ की कथा

किवदंती है कि प्राचीन समय में एक साहूकार के 7 बेटे और उनकी एक बहन थी जिसका नाम करवा था। सभी भाई अपनी बहन से बहुत प्यार करते थे। पहले उसे खाना खिलाते और बाद में स्वयं खाते थे। शादी के बाद एक बार जब उनकी बहन मायके आई हुई थी तो चतुर्थी के व्रत वाले दिन शाम को जब भाई खाना खाने बैठे तो अपनी बहन से भी खाने का आग्रह करने लगे। बहन ने बताया कि आज उसका व्रत है और वह खाना चंद्रमा को अर्ध्य देकर ही खा सकती है। सबसे छोटे भाई को अपनी बहन की हालत देखी नहीं गई और वह दूर पेड़ पर एक दीपक

जलाकर छलनी की ओट में रख दिया, जिससे प्रतीत हो कि चतुर्थी का चांद निकल आया है। बहन चंद्रमा को अर्ध्य देकर खाना खाने बैठ जाती है। जैसे ही वह पहला ग्रास मुंह में डालती है उसे छींक आ जाती है। दूसरा ग्रास डालती है तो उसमें बाल निकल आता है और तीसरा ग्रास मुंह में डालती है तभी उसके पति की मृत्यु का समाचार आ जाता है, जिससे वह बेहद दुखी हो जाती है। तब उसकी भाभी स'चाई बताती है कि उसके साथ ऐसा क्यों हुआ। व्रत गलत तरीके से टूटने के कारण देवता उससे नाराज हो गए हैं। इस पर करवा निश्चय करती है कि वह अपने पति का अंतिम संस्कार नहीं करेगी और अपने सतीत्व से उन्हें पुनर्जीवन दिलाकर रहेगी। वह पूरे एक साल तक अपने पति के शव के पास बैठी रही और उसकी देखभाल कर रही। उसके ऊपर उगने वाली सूईनुमा घास को वह एकत्रित करती जाती। एक साल बाद फिर चौथ का दिन आया तो उसने व्रत रखा और शाम को सुहागिनों से अनुरोध किया कि यम सूई ले लो, पिय सूई दे दो, मुझे भी अपनी जैसी सुहागिन बना दो, लेकिन हर किसी ने मना कर दिया। आखिर में एक सुहागिन ने उसकी बात मान ली। इस तरह से उसका व्रत पूरा हो गया और उसे सदा सुहागिन रहने का आशीर्वाद भी मिल गया। तभी से सुहागिनें इस पर्व को धूमधाम से अपने पति की दीर्घायु के लिए मनाती आ रही हैं। बाजारों में भी महिलाओं की भारी भीड़ दिखाई दी।

बिहार में बदलते समीकरण से बदलेगा परिणाम

कांतिलाल मांडोत

इसबार बिहार में विधानसभा चुनाव रोचक और कांटेदार होने की सम्भावना जताई जा रही है।बड़े पैमानों पर वोट विभाजन से इंकार नहीं किया जा सकता है।

बिहार में चुनावी कार्यक्रम घोषित हो चुका है।राजद के 50 सीटो पर प्रत्याशी तय किए गए है।और बिहार में राजद ने प्रचार शुरू कर दिया है। राज्य में राजनीतिक दलों ने अपनी दुंदुभिया बजा दी है। बिहार में पिछले चुनाव में ज्यादातर एनडीए और राजद के बीच मुकाबला था। बिहार में कांग्रेस की दशा 2020 में बुरी थी।केवल 19 सीटों पर ही सिमट कर रह गई थी।उसके बाद लोकसभा चुनाव में आरजेडी को 12 और भाजपा को 12 सीटे मिली थी।कांग्रेस लोकसभा में परंपरागत सीट भी नही बचा पाई थी। कांग्रेस तमाम योजनाओ के बावजूद चुनाव में नाकाम रही। लालू के सामंती चेहरे की परख राज्य के हर मतदाताओ को है। उनके शासन में कोई आवाज उठाने वाले को बर्बर तरीके से पिटा जाता था।लेकिन उसके बाद नीतीश कुमार का शासन आया और बिहार में बहार है,नीतीश कुमार है।जैसे नारे गूंजने लगे।लालू ने अपने शासनकाल मे दावे तो बहुत किये लेकिन सच्चाई पीड़ा देने वाली थी।इनके शासनकाल में भूमिहीनों के पास जमीन के परचे तो थे।लेकिन जमीन पर उनका कब्जा नही था।जब वे कभी हक की आवाज भी नही उठा सकते थे। बिहार की एक सभा मे तेजस्वी ने दावा किया कि चाचा बीमार है। गुजरात से सरकार चल रही है।जनता से सवाल किया गया था कि क्या आप बीमार मुख्यमंत्री चाहते है? नौजवान विजन के लिए शिक्षा की जरूरत होती है।तेजस्वी की अधूरी शिक्षा से राज्य के हालात कैसे बदले जा सकते है। बिहार में लगातार नीतीश कुमार की सरकार क्यों बन रही है।क्या आपने कभी सोचा नही है? नीतीश कुमार को पलटू कहकर विरासत सम्भाल रहे तेजस्वी ने लालू की गरिमा को भंग कर दिया। बिहार में बहुत सम्भावना है। जिस तरह से लालू और तेजस्वी का पारिवारिक ड्रामा में तेजप्रताप के साथ सौतेला व्यवहार किया गया था। उसका इनको जरा भी अंदाजा नही है।जो व्यक्ति परिवार के साथ बैठ नही सकते है।उनके मन मे विरोधाभास पनप रहा है।वे जनता जनार्दन का ख्याल कैसे रख सकते है? तेजस्वी के पास विजन होता तो बिहार में नीतीश कुमार के साथ साझा क्यो नही किया? क्योकि

तेजस्वी ने आरजेडी के साथ गठबंधन किया था।लेकिन सारी योजना टाय टाय फीस हो गई। गरीबी सियासत की दोगलिनीति का परिणाम है देश मे गरीबी का मुख्य कारण ही भ्रष्टाचार रहा है।कांग्रेस ने आजादी के बाद भ्रष्टाचार करना शुरू कर दिया।लेकिन मनस्वी प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में एक भी भ्रष्टाचार का केस दर्ज नही हुआ है।नीतिपरायणता और ईमानदारी का गुण देश को आगे बढ़ने से नही रोक सकता है।बिहार में लालू प्रसाद के हाथ साफ थे? क्या उनका नाम भ्रष्टाचार में नही उछला? महिलाओ के खाते में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पैसे डाल रहे है।लोगो को आत्मनिर्भर भारत की तरफ आगे बढ़ाने की सोच सरकार की रही है। स्वदेशी पर जोर देकर लोगो को रोजगार से जोड़ने की पूरी कोशिश वर्तमान सरकार कर रही है।भाजपा के कार्यकाल में 25 करोड़ लोग गरीबी से मुक्त हुए है देश को आजादी मिलने के इतने वर्षों के बाद गरीबी खत्म होने की बात कहकर दस साल की सरकार पर निशाना साधा जाता है तो यह अन्यायपूर्ण बाबत है।और वे लोग सिर्फ वोटनीति और वोटबैंक की ही बात करते है।उनको विकास और व्यापार से कोई सरोकार नही है।कानून व्यवस्था की दुहाई देने वाले तेजस्वी को शायद ज्ञात नहीं होगा? क्योंकि उनकी उम्र बहुत छोटी थी। जिस दौर में बिहार में राजद लालू का शासन था। उस दौर में जंगलराज का तमगा दिलाने वाली सरकार आपकी ही थी।जूठे सपने दिखा कर जनता को गुमराह नही किया जा सकता है।जनता जनार्दन सबकुछ समझती है। बिहार में सत्ता की राजनिति में आकंठ दुबे राजनेताओ के गिरते स्तर में सुधार की उम्मीद नही की जा सकती है। महिलाओ को दावे और लालच देकर 30- 30 हजार की बात कर सत्ता हथियाने निकली राजनीतिक पार्टियां का भूतकाल किसी से छिपा नही है।लालू का सामंती चेहरा बिहार जानता है। नीतीश ने अपने कार्यकाल में सत्यनिष्ठा और ईमानदारी की एक मिसाल पेश की है। विकास चाहे धीमी गति से क्यो नही किया जाए,लेकिन ईमानदारी का गुण नेता में होना चाहिए।वो राज्य ही विकास कर सकता है,जिस राज्य का मुख्यमंत्री निष्पक्ष और ईमानदार है।कथनी और करनी में समानता होनी चाहिए ।राजनिति में साफ सुथरी पृष्ठभूमि वाले नेताओं को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। बिहार में जाति,धर्म और बाहुबल के आधार पर चुनाव जीतने की जुगत में है।घोटाले की बात कर प्रतिपक्ष नेता आरोप लगा रहे है।यह तो ऐसा है,चोर कोतवाल को डन्डे जैसी स्थिति हो रही है। बात लोगो के गले नही उतर रही है। राजनीति की दहलीज तक पहुंचने वाले नेताओ के पास विकास और रोजगार का कोई विजन है तो जनता के समक्ष साझा करना चाहिए। नीतीश कुमार ने चुनाव के पहले वितीय कदम उठाया है। राज्य सरकार ने महिलाओं ,युवाओ और अन्य समूहों को अलग अलग योजनाओ और अनुदानों के रुप मे 40 हजार करोड़ रुपए दिए है।यह रकम बहुत बड़ी है।लोजपा के सुप्रीमो राम विलास पासवान के पुत्र चिराग पासवान एनडीए के साथ गठबंधन में है।सीट शेयरिंग पर चिराग को संतोष भले नही है,लेकिन भाजपा और मोदी के साथ उनके पिता रामविलास पासवान की घनिष्ठता थी।उसी के पदचिन्हों पर चलकर एनडीए से सम्बब्ध स्थापित किये हुए है।गीले-शिकवे दफन करने के लिए हर कदम पर तैयार है। इसबार बिहार में विधानसभा चुनाव रोचक और कांटेदार होने की सम्भावना जताई जा रही है।बड़े पैमानों पर वोट विभाजन से इंकार नहीं किया जा सकता है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

बिहार चुनाव में गठबंधन की कसौटी

बिहार विधानसभा चुनाव की दस्तक के साथ ही देश की राजनीति के साथ ही बिहार की राजनीति फिर से उबाल पर है। एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों ही खेमों में टिकट बंटवारे को लेकर जबरदस्त खींचतान चल रही है। सत्ता तक पहुंचने की इस जंग में विचारधारा, गठबंधन धर्म और सीटों का गणित सब एक बार फिर से परखे जा रहे हैं। एनडीए खेमे में भाजपा, जदयू और एलजेपी (रामविलास) के बीच तालमेल साधना आसान नहीं दिख रहा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब भी अपनी शर्तों पर अड़े हैं, वहीं भाजपा केंद्रीय नेतृत्व सीटों के वितरण में बराबरी की स्थिति चाहता है। रामविलास पासवान की पार्टी भी बहुत ही खास सीटों पर दावा ठोंक रही है। ऐसे में गठबंधन के भीतर सामंजस्य बनाए रखना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। दूसरी ओर, जदयू की चिंता यह है कि एनडीए में उसका पुराना प्रभाव धीरे-धीरे कम होता दिख रहा है। हालांकि लगता है कि सभी एनड़ीए के दलों में अब बात लगभग बन चुकी है।

इधर इंडिया गठबंधन में भी सब कुछ सहज नहीं है। राजद, कांग्रेस और वाम दलों के बीच सीटों को लेकर रस्साकशी जारी है। लालू प्रसाद यादव की पार्टी अपने परंपरागत वोट बैंक और बड़े जनाधार के बल पर ज्यादा सीटें चाहती है, जबकि कांग्रेस और वाम दल भी अपनी जमीन बचाने की कवायद में हैं। गठबंधन की एकता का दावा करने वाले नेताओं के चेहरे पर अंदरूनी असहमति साफ झलक रही है। टिकटों की यह मारामारी दरअसल बिहार की राजनीति की पुरानी परंपरा है, जहां वफादारी से ज्यादा वजनदार जातीय समीकरण और जीत की संभावनाएं मायने रखती हैं। यही वजह है कि कई पुराने नेता अब पाला बदलने की तैयारी में हैं। राजनीतिक अवसरवाद का यह दौर जनता के बीच एक तरह की निराशा भी पैदा कर रहा है। मतदाता अब मुद्दों से ज्यादा नेताओं की आपसी खींचतान देखने को मजबूर हैं। बिहार की राजनीति का यह स्वरूप बताता है कि यहां सत्ता का समीकरण हर चुनाव में नए ढंग से गढ़ा जाता है। जाति, क्षेत्र, धर्म और गठबंधन की गिनती यहां की राजनीति का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। लेकिन जनता अब विकास, रोजगार और शिक्षा जैसे मुद्दों पर जवाब चाहती है। उधर प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज ने अपनी एक लिस्ट भी जारी कर दी है। देखा जाये तो बिहार चुनाव में इस बार प्रशांत किशोर की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। उनके भ्रष्टाचार और अपने लड़के के बारे में सोचिये के तर्क ने लोगों को सोचने पर विवश किया है।

इस बार के विधानसभा चुनाव केवल नेताओं की परीक्षा नहीं होंगे, बल्कि यह भी तय करेंगे कि बिहार की जनता अब भी पुराने समीकरणों पर भरोसा करती है या वह बदलाव की ओर बढ़ना चाहती है। टिकटों की इस जंग में जो दल जनहित को प्राथमिकता देगा, वही जनता के दिल तक पहुंचेगा। बिहार की राजनीति का भविष्य आखिरकार जनता के हाथ में है और यही इस लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है।

जन्म दिवस विशेषः संघर्षों के सहारे बना विराट व्यक्तित्व

मुकेश तिवारी

12 अक्टूबर की तारीख एक बार पुनः राजमाता जी की स्मृति को ताजा कर रही है ,राजमाता विजयाराजे सिंधिया यानी कि एक सर्वथा अनोखी शख्सियत काफी लंबे अंतराल तक लोगों के दिल और दिमाग पर छाई रहने वाली इस महिला की लोकप्रियता को संसार का कोई पैमाना नहीं बांध सका है ।राजमाता जी ने संघर्षों के सारे अपने व्यक्तित्व को एक विशाल आकार दिया। तमाम सारी रूकावटों को नजर अंदाज कर आगे बढ़ती जाने वाली राजमाता विजय राज सिंधिया आज हमारे बीच नहीं है ।लेकिन उनकी याद एक खुशबू की तरह माहौल में समाई हुई है, राजमाता विजया राजे सिंधिया का जन्म 12अक्टूबर 1919 को उनकी ननिहाल सागर में हुआ था, उनके पिता महेंद्र सिंह जालौन के डिप्टी कलेक्टर हुआ करते थे।

,वे अपने पिता की सबसे बड़ी संतान थी ।दरअसल में उनके जन्म के 9 दिन पश्चात ही उनकी मां चूड़ा देवेश्वरी का सन्निपात ज्वर के कारण निधन हो गया था ।ऐसी विषम परिस्थिति में लेखा दिव्येश्वरी का बाल्यकाल ननिहाल में ही गुजरा ।यहीं पर उनकी प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा हुई।बाल्यकाल में इनका नाम लेखा था। इनका उक्त नाम इनकी नानी धन कुमारी ने रखा था ।हालांकि उन्होंने कभी भी इस नाम से उन्हें संबोधित नहीं किया और न ही परिवार के किसी सदस्य ने इस नाम से उन्हें कभी पुकारा ,नानी हमेशा लेखा दिव्येश्वरी को नानी कहकर ही बुलाती रही, नेपाल की भाषा की लोकभाषा में नानी का अर्थ होता है आंख की पुतली लेखा दिव्येश्वरी को नानी कहकर बुलाने के पीछे नाना नानी का यही अभिप्राय था,इनकी मां का निधन होने के पश्चात लेखा दिव्येश्वरी का लालन-पालन नाना -नानी की देखरेख में इनकी ननिहाल सागर में हुआ। सागर के नेपाल हाउस में रहकर उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण की । हालांकि लेखा दिव्येश्वरी कि मां चूड़ा दिव्येश्वरी के देहांत के पश्चात उनके पिता ने उन्हें अपने साथ जालौन ले जाने कि अभिलाषा जाहिर की ,लेकिन इनके नाना -नानी इसके लिए राजी नही हुए।इस बात को लेकर कोर्ट कचहरी तक की नौबत आ गई । अंततः आपसी सहमति से यह तय हुआ कि ये 7 साल की होने तक लेखा नाना- नानी की देखरेख में सागर में ही रहेगी।लेकिन दुर्भाग्यवश जब लेखा महज 2 वर्ष की थी ।तभी नाना का निधन हो गया।लेखा दिव्येश्वरी की नानी धनकुमारी धार्मिक आस्थाओं से ओतप्रोत एक सौम्य व सरल महिला थी। इस कारण लेखा का लालन-पालन धार्मिक वातावरण में हुआ ।उन्होंने बाल्यकाल से ही लेखा दिव्येश्वरी को यही संस्कार दिए।नानी के संस्कारों में दीक्षित होकर वे उन्हीं की तरह धर्म प्राण बन गई ।यद्यपि लेखा दिव्येश्वरी नानी जितने व्रत तो नहीं किया करती थी ।लेकिन चतुर्मास में शाकाहारी भोजन करने लगती थी। मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात लेखा दिव्येश्वरी ने बनारस के बेसेट कॉलेज में दाखिला लिया ।जहां सादा जीवन उच्च विचार का उसूल अमल में लाया जाता था ।यहां से प्रेरित होकर उन्होंने फ्रांस और इटालियन से आयातित कपड़ों को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया।जब लेखा दिव्येश्वरी के पिता का झांसी से मिजार्पुर स्थानांतरण हो गया तो उन्होंने लेखा दिव्येश्वरी का दाखिला आजमा बेला थाबर्न महिला कॉलेज लखनऊ में करा दिया। ,लेकिन वे यहां से बी ए की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर सकी क्योंकि ननिहाल और घर में उनके विवाह की तैयारियां प्रारंभ हो जाने के कारण उन्हें पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी ।नेपाल हाउस सागर में पली-बढ़ी लेखा दिव्येश्वरी की शादी 21 फरवरी 1941को मराठा रीति रिवाज से ग्वालियर रियासत के अंतिम शासक जीवाजी राव सिंधिया के साथ सरस्वती महल में संपन्न हुई।,हालांकि इनकी शादी का सिंधिया रियासत के मराठा सरदारों ने खुलकर काफी विरोध किया ।लेकिन जीवाजी राव सिंधिया ने विरोध की कतई परवाह नहीं की ।शादी के पश्चात वे सिंधिया राजघराने की परंपरा के मुताबिक लेखा दिव्येश्वरी से महारानी विजया राजे सिंधिया के नाम से चर्चित हुई।शादी के पश्चात उन्होंने 5 बच्चों को जन्म दिया,23 फरवरी 1942 को उन्होंने पहली पुत्री पद्मा राजे को जन्म दिया 31 अक्टूबर 1943 को उषा राजे और 10 मार्च 1945 को माधवराव सिंधिया को जन्म दिया इसके पश्चात 1953 में वसुंधरा राजे और 1954 में यशोधरा जी को जन्म दिया, राजमाता विजया राजे सिंधिया के पति जीवाजी राव सिंधिया कांग्रेस के कट्टर आलोचक थे । राजमाता सिंधिया कैलाश वासी पति जीवाजी राव सिंधिया ने भारत संघ में ग्वालियर राज्य का विलय करते समय चौवन करोड़ रुपए की विपुल धनराशि का कोष सरदार बल्लभभाई पटेल को सौंपा था।ग्वालियर में उस दौर में हिंदू महासभा का काफी दबदबा था ,स्थानीय कांग्रेसी इस बात से काफी घबराए हुए थे ।कि ग्वालियर के महाराज कहीं प्रतिपक्ष के उम्मीदवार को चुनाव में अपना समर्थन न दे दे, आखिरकार राजमाता विजया राजे सिंधिया ने जवाहरलाल नेहरू के दवाब में 1957में कांग्रेस से अपनी राजनीतिक पारी की शुरूआत की। गुना संसदीय क्षेत्र से नामांकन पर्चा दाखिल कर उन्होंने अखिल भारतीय हिंदू महासभा के अध्यक्ष बी जी देश पांडे को पराजित किया, हालांकि गुना से लगी हुई दोनों सीटें पर हिंदू महासभा के उम्मीदवार ने जीत हासिल की। यह इस बात का प्रमाण है कि यदि राजमाता विजय राजे सिंधिया कांग्रेस की प्रत्याशी न होती तो कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया होता। राजमाता सिंधिया ने हिंदू महासभा को कमजोर करने के लिए पूरी ताकत लगा दी हालांकि आगामी सालों में इस क्षति की पूर्ति करने के लिए काफी परिश्रम करना पड़ा।एक दौर ऐसा भी आया कि जब वे राजनीति को पीछे छोड़ अपने पति और बेटे बेटियो में मगन हो गई , इसी दौरान उनके पति की डायबिटीज में इजाफा हो गया और दुर्भाग्य से महज 45 वर्ष की आयु में 9 जून 1961 को उनका मुंबई में देहावसान हो गया ,जिस वक्त उनके पति जीवाजी राव सिंधिया का निधन हुआ उनके इकलौते पुत्र माधवराव की आयु महज 16 वर्ष की थी। पति के निधन के पश्चात वे महारानी से राजमाता बन स्वेत वस्त्र में विधवा का जीवन बिताने लगी ।

उन्होंने अपनी तमाम सारी इच्छाओं को तिलांजलि देकर धर्म को ही अपना ध्येय बनाया ।हालांकि जब परिस्थितियों ने मोड़ लिया तो वे बिना किसी हिचकिचाहट के राजनीति के महासमर में कूद पड़ी और अपना अधिकांश वक्त राजनीति को देने लगी।लेकिन धार्मिक कार्य पूजा-पाठ में कोई कमी नहीं आई।इसी बीच मध्य प्रदेश की तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ कैलाश नाथ काटजू पंडित जवाहरलाल नेहरू का संदेश लेकर राजमाता के पास आए कि वे देश सेवा में पूर्ववत जुटी रहे ।आप की सहूलियत के लिए आपका निर्वाचन क्षेत्र गुना से बदलकर ग्वालियर कर दिया गया है नेहरू जी के द्वारा, राजमाता विजयाराजे सिंधिया स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय राजनीति में सक्रिय हो गई थी वर्ष 1957 में दूसरी लोकसभा के लिए सांसद चुनी गई थी। वर्ष 19 62 ,1971,1989एवं1991 में आप पुनः सांसद चुनी गई राजमाता तीसरी,पांचवीं, नौवीं एवं दसवीं लोकसभा के लिए सांसद के रूप में चुनी गई थी , वर्ष 1967 में आप मध्यप्रदेश विधानसभा की सदस्य भी रही एवं वर्ष 1978 में राज्यसभा सांसद रही।

वो यदि चाहती तो 1967मे ही मध्य प्रदेश की मुख्यमंत्री बन सकती थी। इतना ही नहीं वे जब चाहती तब केन्द्रीय मंत्री से लेकर भाजपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकतीं थीं लेकिन उन्होंने कभी भी किसी पद की अभिलाषा नहीं रखी।

वही राजमाता विजयाराजे सिंधिया के इकलौते पुत्र स्व माधवराव सिंधिया भी केंद्र सरकार में अनेक महत्वपूर्ण विभागों में मंत्री रहे ।,इसी क्रम में उनकी एक बेटी वसुंधरा राजे सिंधिया राजस्थान की दो मर्तबा मुख्यमंत्री और केंद्र सरकार में भी मंत्री रह चुकी है। इसी तरह उनकी एक बेटी यशोधरा राजे सिंधिया मध्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री के पद पर असीन रह चुकी है। इसी तरह उनका नाती ज्योतिरादित्य सिंधिया केंद्र सरकार में संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री का दायित्व संभाल रहे हैं, राजमाता जी जीवन की अंतिम श्वास तक अपने सत्याचरण देशभक्ति तथा आत्मत्याग के पथ पर चली ,वे इन विषयों पर सिर्फ उपदेश ही नहीं दिया करती थी अपितु यही उनका आचरण और व्यवहार था।

25 जनवरी 2001 को देहावसान हो गया । लेकिन उनके लिए अमर रहे अम्मा महाराज कहना ज्यादा उपयुक्त रहेगा।उनका नाम इतिहास में शानदार अक्षरों में दर्ज हो गया है। निसंदेह राजमाता विजया राजे जी कितनी महान थी , यह उनके निधन के बाद पश्चात ही उनके चाहने वालों को ज्ञात हो पाया इस दुनिया में नहीं है। लेकिन युगों-युगों तक लोगों को उनकी याद आती रहेगी,इस अप्रतिम नेत्री का राजनीति में योगदान भी सदैव याद रखा जाएगा।

(लेखक के विषय में - स्वतंत्र पत्रकार)

चिंतन-मनन

अनंत शक्तियों का स्वामी हैं हमारा मन

हमें यह बात हमेशा ध्यान में रखना चाहिए कि मन का परमात्मा के साथ घनिष्ठ संबंध है। मन और ब्रह्म दो भिन्न वस्तुएं नहीं हैं। ब्रह्म ही मन का आकार धारण करता है। अतः मन अनंत और अपार शक्तियों का स्वामी है। मन स्वयं पुरुष है एवं जगत का रचयिता है। मन के अंदर का संकल्प ही बाह्य जगत में नवीन आकार ग्रहण करता है। जो कल्पना चित्र अंदर पैदा होता है, वही बाहर स्थूल रूप में प्रकट होता है। सीधी-सी बात है कि हर विचार पहले मन में ही उत्पन्न होता है और मनुष्य अपने विचार के आधार पर ही अपना व्यवहार निश्चित करता है। अगर मन में विचार ही न हों तो फिर क्रियान्वयन कहां से आएगा। शायद इसीलिए कहा गया है कि मन के जीते जीत है और मन के हारे हार। मन का स्वभाव संकल्प है। मन के संकल्प के अनुरूप ही जगत का निर्माण होता है। वह जैसा सोचता है, वैसा ही होता है। मन जगत का सुप्त बीज है। संकल्प द्वारा उसे जागृत किया जाता है।

यही बीज, पहाड़, समुद्र, पृथ्वी और नदियों से मुक्त संसार रूपी वृक्ष उत्पन्न करता है। यही जगत का उत्पादक है। सत्, असत् एवं सदसत् आदि मन के संकल्प हैं। मन ही लघु को विभु और विभु को लघु में परिवर्तित करता रहता है। मन में सृजन की अपार संभावनाएं स्वयं द्वारा ही निर्मित की हुई हैं। मन स्वयं ही स्वतंत्रतापूर्वक शरीर की रचना करता है। देहभाव को धारण करके वह जगत रूपी इंद्रजाल बुनता है। इस निर्माण प्रक्रिया में मन का महत्वपूर्ण योगदान है। मन का चिंतन ही उसका परिणाम है। यह जैसा सोचता है और प्रयत्न करता है, वैसा ही उसका फल मिलता है। मन के चिंतन पर ही संसार के सभी पदार्थों का स्वरूप निर्भर करता है। दृढ़ निश्चयी मन का संकल्प बड़ा बलवान होता है। वह जिन विचारों में स्थिर हो जाता है, परिस्थितियां वैसी ही विनिर्मित होने लगती हैं। जैसा हमारा विचार होता है, वैसा ही हमारा जगत् ।

युवाओं को सोशल मीडिया व एआई के शिकंजे से बचा पाएंगी सरकारें

नीलेश वर्मा

विश्वं आज डिजिटल क्रांति के दौर से गुजर रहा है। मोबाइल और इंटरनेट अब हर हाथ में है और सोशल मीडिया और आर्टीफिसियल एंटेलीजेंस का प्रयोग मन और मस्तिष्कव दोनों को प्रभावित कर रहा है। सोशल मीडिया युवाओं के लिए जहां विचार साझा करने और सीखने का अवसर देता है, वहीं इसका अंधाधुंध और गलत इस्तेमाल गंभीर खतरा बनता जा रहा है। गलत सूचनाएं, उकसाने वाले संदेश और डिजिटल लत, युवाओं को हिंसा, नैतिक पतन और भ्रमित विचारधाराओं की ओर धकेल रहे हैं। यह खतरा केवल भारत तक सीमित नहीं, बल्कि वैश्विक बन चुका है। दुनिया के कई देशों में सोशल मीडिया का दुरुपयोग और डीपफेक विशेषकर युवाओं द्वारा हिंसा और सत्ता परिवर्तन जैसे गंभीर परिणामों तक पहुँच चुका है।

भारत में भी अग्निपथ योजना, सीएए-एनआरसी और किसान आंदोलन के दौरान सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट और उकसाने वाली सामग्री के कारण कई राज्यों में युवाओं द्वारा हिंसा, पथराव और तोड़फोड़ की घटनाएँ देखी गईं। इसी प्रकार नेपाल में भी सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार विरोधी प्रचार और फर्जी खबरों ने युवाओं को सड़कों पर उतरने और सरकारी संस्थानों के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया है। नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता के दौरान ट्विटर और फेसबुक जैसे मंचों पर फैले अभियानों ने युवाओं को राजनीतिक आंदोलन में उतारने में बड़ी भूमिका निभाई, जिनमें कुछ प्रदर्शन हिंसक भी हो गए।

विश्व के अनेक देश ऐसे हैं जिनमें सोशल मीडिया का दुरूपयोग कर युवाओं को भ्रमित कर हिंसक आंदोलनों और अस्थिरता फैलाने के लिए किया गया है। वर्ष 2021 में अमेरिका में हुए कैपिटल हिल हमले के दौरान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर फैलाए गए झूठे दावों और उकसावों ने हजारों युवाओं को लोकतंत्र के सबसे बड़े प्रतीक पर हमला करने के लिए प्रेरित किया। श्रीलंका में व्हाट्सएप और फेसबुक के माध्यम से फैलाई गई साम्प्रदायिक अफवाहों ने युवाओं को सड़कों पर उतरने और हिंसा फैलाने के लिए उकसाया। म्यांमार में फेसबुक के जरिए रोहिंग्या समुदाय के खिलाफ घृणा फैलाकर बड़े पैमाने पर हिंसा को अंजाम दिया गया, जिसमें युवाओं की भूमिका प्रमुख रही।

जब युवा सोशल मीडिया के दुरुपयोग का शिकार होते हैं, तो उसका असर केवल परिवार और समाज पर नहीं होता, बल्कि लोकतांत्रिक और शासन व्यवस्था पर भी पड़ता है। भारत में भी सोशल मीडिया के कारण कई बार अफवाहें, साम्प्रदायिक तनाव और हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं। उदाहरणस्वरूप, मॉब लिंचिंग की घटनाएं, छात्र आंदोलनों में गलत सूचनाओं का फैलाव, और चुनावों के दौरान फेक न्यूज का प्रसार, इस डिजिटल खतरे की गंभीरता को दर्शाते हैं।

सोशल मीडिया की चुनौती से निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें कुछ अहम कदम उठा रही हैं। आईटी नियमों (2021) के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को जवाबदेह बनाया गया है। उन्हें अवैध या भड़काऊ सामग्री को हटाने के लिए समय-सीमा दी गई है। साइबर क्राइम सेल का विस्तार किया जा रहा है और राज्यों में डिजिटल निगरानी यूनिट्स सक्रिय की जा रही हैं। डिजिटल साक्षरता अभियान के तहत युवाओं को सोशल मीडिया की सही उपयोगिता और खतरों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। फेक न्यूज और डीपफेक जैसी तकनीकों को रोकने हेतु अक आधारित निगरानी तंत्र विकसित किए जा रहे हैं।

केंद्र व राज्यी सरकारें प्रयास कर रही हैं, लेकिन कई जमीनी चुनौतियाँ अब भी बनी हुई हैं। विदेशी सोशल मीडिया कंपनियां कई बार सरकार की मांगों के अनुरूप डेटा या जानकारी साझा नहीं करतीं। जब भी सरकार निगरानी या नियंत्रण की कोशिश करती है, तो कुछ समूह 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' और निजता का हवाला देकर विरोध करते हैं। जैसे-जैसे नई ऐप्स और प्लेटफॉर्म आते हैं, सरकार की निगरानी प्रणाली उनके पीछे छूट जाती है। अधिकांश युवा यह नहीं समझते कि वे कैसे एक गलत सूचना या डिजिटल अभियान का हिस्सा बन रहे हैं। इस समस्या से निपटने के लिए सरकारों को केवल कानून बनाना ही नहीं, बल्कि समग्र दृष्टिकोण अपनाना होगा।

शिक्षा प्रणाली में डिजिटल नैतिकता और जिम्मेदार इंटरनेट उपयोग को शामिल करना चाहिए। सोशल मीडिया कंपनियों से कड़ा अनुबंध करना होगा जिससे वे भारत के कानूनों के प्रति जवाबदेह रहें। सामाजिक संगठनों और युवाओं को भागीदार बनाकर डिजिटल जागरूकता को जन-आंदोलन बनाना होगा। सबसे महत्वपूर्ण, सभी राज्य सरकारों को मिलकर कार्य करना होगा, क्योंकि यह खतरा राष्ट्रीय स्तर का है और अब वैश्विक रूप ले रहा है।

डिजिटल युग में सोशल मीडिया एक शक्ति है - इसका सही उपयोग समाज को जोड़ सकता है, पर दुरुपयोग देश को तोड़ भी सकता है। जब युवा इसका शिकार बनते हैं, तो सिर्फ उनका भविष्य नहीं, राष्ट्र की स्थिरता भी दांव पर लग जाती है। सरकारों के प्रयास सराहनीय हैं, पर अब समय है कि यह ज़िम्मेदारी सिर्फ कागजों तक न रहे, बल्कि जमीन पर दिखे। यदि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर तेजी, पारदर्शिता और दृढ़ इच्छाशक्ति से काम करें और समाज व तकनीक का सहयोग लें, तो निश्चित ही वे युवाओं को इस डिजिटल खतरे से बचाने में सफल होंगी।

(लेखक स्वकतंत्र पत्रकार हैं)

सेंसेक्स की टॉप 10 कंपनियों में से आठ का मार्केट कैप 1.94 लाख करोड़ बढ़ा

टीसीएस, भारती एयरटेल और रिलायंस में बढ़त, एचयूएल व एलआईसी को नुकसान

मुंबई

बीते सप्ताह शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी देखने को मिली, जिससे सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,94,148.73 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) सबसे बड़ी लाभ में रहने वाली कंपनी रही। सप्ताह भर में बीएसई सेंसेक्स 1,293.65 अंक की छलांग लगाकर बंद हुआ। इसी बढ़त का असर देश की प्रमुख कंपनियों के मार्केट कैप पर भी पड़ा। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 45,678.35 करोड़ बढ़कर 10,95,701.62 करोड़ पर पहुंच गया। इसके बाद इन्फोसिस को 28,125.29 करोड़ का लाभ हुआ, जिससे उसका मार्केट कैप 6,29,080.22 करोड़ हो गया। एचडीएफसी बैंक ने भी 25,135.62 करोड़ की बढ़त दर्ज की और उसका मूल्यांकन 15,07,025.19 करोड़ तक पहुंच गया। इसी तरह भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 25,089.27 करोड़ बढ़कर 11,05,980.35 करोड़ हो गया। अन्य लाभ में रहने वाली कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज (25,035.08 करोड़ की बढ़त), बजाज फाइनेंस (21,187.56 करोड़), भारतीय स्टेट बैंक (12,645.94 करोड़) और आईसीआईसीआई बैंक (11,251.62 करोड़) शामिल हैं। दूसरी ओर, हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) और भारतीय जीवन बीमा निगम की बाजार हैसियत में गिरावट दर्ज की गई। एचयूएल का मार्केट कैप 3,571.37 करोड़ घटकर 5,94,235.13 करोड़ रह गया, जबकि एलआईसी को 4,648.88 करोड़ की गिरावट के साथ 5,67,858.29 करोड़ पर संतोष करना पड़ा। रिलायंस इंडस्ट्रीज 18.70 लाख करोड़ के बाजार मूल्यांकन के साथ अब भी देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है, उसके बाद एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल का स्थान है।

दिवाली पर मोमबत्ती का बिजनेस: कम निवेश में मुनाफे का सुनहरा मौका

नई दिल्ली

दिवाली की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और बाजार रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाने लगे हैं। अगर आप इस त्योहार पर अपना बिजनेस शुरू करने का सोच रहे हैं, तो मोमबत्ती (कैण्डल) का कारोबार आपके लिए बेहतरीन अवसर साबित हो सकता है। भले ही इलेक्ट्रिक लाइट्स की बिक्री बढ़ गई है, लेकिन दिवाली पर रंग-बिरंगी मोमबत्तियों की मांग अभी भी जबर्दस्त रहती है। महज 10,000 रुपये के शुरुआती निवेश से आप कैंडल मेकिंग बिजनेस शुरू कर सकते हैं और मोटा मुनाफा कमा सकते हैं। दिवाली पर घर के हर कोने को रोशन करने वाली मोमबत्तियों की मार्केट काफी बढ़ जाती है। त्योहारी सीजन में व्यापारी महज कुछ दिनों में अच्छी कमाई कर लेते हैं। कैंडल की मांग सिर्फ दिवाली तक ही सीमित नहीं है, बल्कि जन्मदिन, पार्टियों और धार्मिक आयोजनों के लिए सालभर बनी रहती है। आज यह बिजनेस सिर्फ छोटी दुकानों तक सीमित नहीं है, बल्कि रिटेल, थोक और ऑनलाइन मार्केट में भी धड़ल्ले से बिक रहा है। छोटे स्तर पर इसे शुरू करने के लिए महज 10,000 से 15,000 रुपये निवेश की जरूरत होती है और आप इसे घर के किसी छोटे कोने से भी चला सकते हैं। इस बिजनेस में किसी महंगी मशीन की आवश्यकता नहीं होती। मोमबत्ती बनाने का मैटेरियल आसानी से मार्केट में उपलब्ध है। शुरुआत में आप सांचों का इस्तेमाल कर अलग-अलग डिज़ाइन की मोमबत्तियां बना सकते हैं। इसके लिए मोम, धागा, रंग और ईथर तेल की जरूरत होती है। सुगंधित मोमबत्तियां बनाने के लिए सेंट का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। इन सामग्रियों को स्थानीय बाजार या ऑनलाइन आसानी से खरीदा जा सकता है। जब बिजनेस बढ़ने लगे, तो आप ऑटोमैटिक मशीन खरीद सकते हैं। मैनुअल मशीन से प्रति घंटे 1800 मोमबत्तियां, जबकि फुली ऑटोमैटिक मशीन से प्रति मिनट 200 मोमबत्तियां तैयार की जा सकती हैं। सरकार द्वारा उपलब्ध लोन या अन्य छोटे कारोबार लोन के जरिए बिजनेस को और बढ़ाया जा सकता है।

भारत को रोल्स-रोयस बनाएगी अपना होम मार्केट

नई दिल्ली

भारत में कंपनी रोल्स-रोयस अपने वैश्विक विस्तार की तैयारी कर रही है। भारत को कंपनी अपना होम मार्केट बनाने की योजना है। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब भारत और ब्रिटेन अगले जेनरेशन फाइटर जेट इंजन के संयुक्त विकास पर विचार कर रहे हैं। कंपनी के सीईओ तुफान एरगिनबिलजिक ने मुंबई में कहा कि रोल्स-रोयस भारत में अपने सहयोग और साझेदारी को अगले स्तर तक ले जाना चाहती है और इसकी अत्याधुनिक तकनीक भारत की 'विकसित भारत' यात्रा में अहम योगदान देगी। भारत और ब्रिटेन के बीच नेक्स्ट-जेनरेशन फाइटर इंजन को-डेवलपमेंट प्रोग्राम पर बातचीत जारी है। अगर यह समझौता होता है, तो रोल्स-रोयस किसी भारतीय कंपनी के साथ मिलकर इस इंजन का निर्माण करेगी। कंपनी दुनिया की उन चुनिंदा संस्थाओं में है, जो फाइटर जेट इंजन डिज़ाइन और निर्माण करती हैं। यह साझेदारी भारत के रक्षा आत्मनिर्भरता मिशन को नई दिशा दे सकती है। कंपनी ने भारत में अपने ग्लोबल कैपेबिलिटी एंड इनोवेशन सेंटर का विस्तार किया है। यह सेंटर डिजिटल इंजीनियरिंग, डिजाइन और एंटरप्राइज सर्विसेज में नई तकनीक विकसित करेगा। आने वाले वर्षों में यह सेंटर रोल्स-रोयस का सबसे बड़ा ग्लोबल हब बनेगा, जो सिविल, डिफेंस और पावर सिस्टम बिजनेस को सपोर्ट करेगा। 2030 तक भारत से सप्लाई चेन सोर्सिंग दोगुना करने और स्थानीय टैलेंट डेवलपमेंट व मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को मजबूत करने की योजना है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि रोल्स-रोयस का भारत में विस्तार दोनों देशों के आर्थिक और तकनीकी संबंधों को नई ऊंचाई देगा।

एसबीआई की नई पहल: महिला कर्मचारियों की हिस्सेदारी बढ़ाने का लक्ष्य

कामकाजी महिलाओं के लिए सुविधाएं, नेतृत्व विकास और समावेशी कार्यस्थल की दिशा में ठोस कदम

देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने लैंगिक विविधता को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीति बनाई है। बैंक का उद्देश्य अगले पांच वर्षों में अपने कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी को 27 फीसदी से बढ़ाकर 30 फीसदी करना है। एसबीआई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों में महिला भागीदारी पहले से ही लगभग 33 फीसदी है, लेकिन कुल कार्यबल में यह केवल 27 फीसदी है। इस अंतर को पाटने के लिए बैंक ने कई कदम उठाए हैं। बैंक की एम्पावर हर पहल के माध्यम से महिलाओं को नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है।

इसके तहत कोचिंग, मार्गदर्शन और नेतृत्व विकास सत्र आयोजित किए जाते हैं।

इसके अलावा, मातृत्व अवकाश या बीमारी के बाद लौटने वाली महिला कर्मचारियों के लिए पुनर्वास प्रशिक्षण और पारिवारिक संपर्क कार्यक्र म चलाए जा रहे हैं। कामकाजी माताओं को क्रेश भत्ता, गर्भवती महिलाओं को पोषण भत्ता और स्तन व गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जांच जैसी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। बैंक ने गर्भाशय ग्रीवा कैंसर का टीकाकरण अभियान भी शुरू किया है।

बैंक की 340 से अधिक शाखाएं केवल महिला कर्मचारियों द्वारा संचालित की जा रही हैं, जो समावेशी कार्यस्थल की दिशा में एक मजबूत संकेत है।

भारत बना दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश

125 जीडब्ल्यू सौर क्षमता के साथ जापान को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली

भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी के अनुसार भारत अब 125 गीगावाट (जीडब्ल्यू) स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता के साथ दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश बन गया है। इस उपलब्धि के साथ भारत ने जापान (96 जीडब्ल्यू) को पीछे छोड़ दिया है। अगस्त 2025 के अंत तक भारत की कुल नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित क्षमता 192 जीडब्ल्यू तक पहुंच गई है। इसमें सौर, पवन, बायोमास और जलविद्युत परियोजनाएं शामिल हैं। सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक यह क्षमता 500 जीडब्ल्यू तक पहुंच जाए। 2025 में भारत ने केवल अप्रैल से सितंबर के बीच 25 जीडब्ल्यू रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता जोड़ी है। इसमें 21.7 जीडब्ल्यू सौर ऊर्जा और 3.09 जीडब्ल्यू पवन ऊर्जा शामिल है। जुलाई 2025 तक देश की कुल सौर ऊर्जा क्षमता 119.02 जीडब्ल्यू थी, जिसमें से 90.99 जीडब्ल्यू जमीन आधारित सौर संयंत्रों और 19.88 जीडब्ल्यू रूफटॉप सिस्टम से आई है। वहीं तापीय ऊर्जा की हिस्सेदारी में गिरावट दर्ज की गई है। अब देश की कुल स्थापित बिजली क्षमता 485 जीडब्ल्यू है, जिसमें तापीय (कोयला व गैस) बिजली सिर्फ 49.9 फीसदी रह गई है। 2015 में यह आंकड़ा 70 फीसदी था। यह एक ऐतिहासिक बदलाव है जो भारत के हरित ऊर्जा की ओर बढ़ते कदम को दर्शाता है। इंटरनेशनल थिंक टैंक एम्बर के अनुसार इस वर्ष की पहली छमाही में भारत में सौर ऊर्जा उत्पादन में 17 टेरावाट-घंटे की वृद्धि हुई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 25 फीसदी अधिक है। यह परिवर्तन भारत को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ा रहा है।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता बढ़ाएगा निर्यात और निवेश

नई दिल्ली भारत और ब्रिटेन के बीच वृहद आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) पर 24 जुलाई को हस्ताक्षर हुए हैं, जो अगले साल लागू होने की संभावना है। विशेषज्ञों के अनुसार यह समझौता भारत के निर्यात को बढ़ावा देगा और ब्रिटेन से निवेश आकर्षित करेगा। एक वैश्विक पेशेवर सेवा नेटवर्क के मुतो बिक कपड़ा, वाहन कलपुर्जा, जूते-चप्पल और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्र इस समझौते से लाभान्वित होंगे, क्योंकि लगभग 99 फीसदी भारतीय निर्यात के लिए शुल्क-मुक्त बाजार मिलेगा। इसके साथ ही, भारतीय आईटी, वित्तीय, स्वास्थ्य सेवा और पेशेवर सेवा प्रदाताओं के लिए ब्रिटेन के बाजार में नए अवसर खुलेंगे। यह समझौता कुशल पेशेवरों की आवाजाही को आसान बनाएगा और शिक्षा, नवोन्मेषण व अनुसंधान में सहयोग को मजबूत करेगा।

एक साल की एफडी पर 10 बैंक दे रहे आकर्षक ब्याज दरें

वरिष्ठ नागरिकों को मिल रहा अतिरिक्त लाभ

नई दिल्ली अगर आप अपनी सेविंग्स को सुरक्षित निवेश में लगाना चाहते हैं तो फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) इस समय एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकता है। बाजार की अनिश्चितता और शेयर बाजार की अस्थिरता को देखते हुए एफडी एक ऐसा निवेश है जो तय ब्याज दर के साथ मानसिक संतुलन भी देता है। खास बात यह है कि वर्तमान में कई बैंक एक साल की एफडी पर 7 फीसदी से लेकर 8 फीसदपी तक का आकर्षक ब्याज दे रहे हैं। डीसीबी बैंक और तमिलनाडु मर्केंटाइल बैंक सामान्य ग्राहकों को 7.25 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 7.75 फीसदी ब्याज दे रहे हैं। वहीं केनरा बैंक, कर्नाटक बैंक, आरबीएल बैंक और बैंक ऑफ इंडिया जैसे बैंक भी 7 फीसदी से 7.5 फीसदी तक का रिटर्न दे रहे हैं। विदेशी बैंक डॉयचे बैंक भी 1 साल की एफडी पर 7 फीसदी ब्याज ऑफर कर रहा है। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई सामान्य ग्राहकों को 6.80 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 7.30 फीसदी ब्याज दे रहा है। इसी तरह बैंक ऑफ बड़ौदा और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया 6.75 फीसदी से 7.25 फीसदी तक का रिटर्न दे रहे हैं।

सितंबर में टाटा मोटर्स और मारुति सुजुकी की बिक्री में वृद्धि

हुंदै और टोयोटा की बाजार हिस्सेदारी में गिरावट

नई दिल्ली सितंबर 2025 में टाटा मोटर्स और मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने अपनी खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर बढ़ोतरी दर्ज की है। टाटा मोटर्स की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 13.75 फीसदी हो गई, जबकि पिछले साल यह 11.52 फीसदी थी। कंपनी ने इस महीने 32,586 वाहनों की बिक्री की। वहीं, मारुति सुजुकी ने 1,23,242 इकाइयों की खुदरा बिक्री की, जिससे उसकी बाजार हिस्सेदारी 41.17 फीसदी तक बढ़ गई। पिछले साल सितंबर में मारुति की बिक्री 1,15,530 वाहन थी। दूसरी ओर, हुंदै मोटर इंडिया की बिक्री और बाजार हिस्सेदारी दोनों में कमी आई है। इस साल सितंबर में हुंदै की बिक्री 35,812 रही, जबकि पिछले साल 38,833 वाहन बेचे गए थे। बाजार हिस्सेदारी 13.72 फीसदी से घटकर 11.96 फीसदी हो गई। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की भी बाजार हिस्सेदारी गिरकर 6.78 फीसदी रह गई, जबकि पिछले साल यह 7.35 फीसदी थी। कंपनी की बिक्री में मामूली गिरावट देखी गई। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने 37,659 वाहनों की बिक्री की, हालांकि उसकी बाजार हिस्सेदारी लगभग स्थिर रही। किआ इंडिया की बिक्री में मामूली वृद्धि हुई लेकिन बाजार हिस्सेदारी घटकर 6.78 फीसदी रह गई। दोपहिया क्षेत्र में हीरो मोटोकॉर्प ने बाजार हिस्सेदारी बढ़ाकर 25.10 फीसदी कर ली, जबकि होंडा मोटरसाइकिल की हिस्सेदारी घटकर 25.05 फीसदी रह गई। टीवीएस मोटर कंपनी की हिस्सेदारी भी बढ़ी। कुल मिलाकर, यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 6 फीसदी और दोपहिया वाहन बिक्री 6.5 फीसदी बढ़ी है।

अमेरिका-चीन तनाव, महंगाई आंकड़े और तिमाही नतीजे तय करेंगे बाजार की चाल

वैश्विक तनाव से बाजार में सतर्कता बढ़ी

- घरेलू महंगाई आंकड़ों और कंपनियों के नतीजों पर नजर
- फेडरल रिजर्व चेयरमैन के भाषण से मिल सकते हैं संकेत

मुंबई

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा कई प्रमुख कारकों पर निर्भर करेगी, जिनमें अमेरिका-चीन व्यापार तनाव, घरेलू महंगाई के आंकड़े और प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजे शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ये घटनाएं निवेशकों की धारणा को निर्णायक रूप से प्रभावित करेंगी। अमेरिका और चीन के बीच शुल्क को लेकर बढ़ते तनाव ने वैश्विक बाजारों में चिंता बढ़ा दी है। शुक्रवार को वॉल स्ट्रीट में भारी गिरावट देखी गई नैस्डैक 3.56 फीसदी, एसएंडपी 500 में 2.71 फीसदी और डॉव जोन्स में 1.90 फीसदी की गिरावट आई। इससे वैश्विक निवेशक जोखिम लेने से कतरा सकते हैं, जिसका असर भारतीय बाजारों पर भी पड़ेगा। इस बीच घरेलू मोर्चे पर निवेशकों की नजर खुदरा और थोक मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर होगी। सरकार 13 अक्टूबर को सितंबर महीने की खुदरा मुद्रास्फीति (सीपीआई) और 14 अक्टूबर को थोक मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) के आंकड़े जारी करेगी। इन आंकड़ों से भारतीय रिजर्व बैंक की आगामी मौद्रिक नीति का रुख स्पष्ट हो सकता है।

इसके अलावा, निवेशकों की निगाहें इंफो सिस, एचसीएल टेक, विप्रो, टेक मे हिंद्रा जैसी आईटी कंपनियों के तिमाही नतीजों पर टिकी होंगी। साथ ही, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एक्सिस बैंक जैसे दिग्गजों के नतीजे भी बाजार की चाल में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

वैश्विक स्तर पर, 14 अक्टूबर को फेडरल रिजर्व चेयरमैन जेरोम पावेल का भाषण निवेशकों के लिए खास रहेगा। उनकी टिप्पणियों से ब्याज दरों और मुद्रास्फीति को लेकर फेड की रणनीति का संकेत मिल सकता है।

पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स में 1.59 फीसदी और एनएसई निफ्टी में 1.57 फीसदी की तेजी रही, लेकिन आने वाला सप्ताह अस्थिरता और सतर्कता से भरा रह सकता है। विश्लेषकों ने सलाह दी है कि निवेशक इस सप्ताह सतर्क रणनीति अपनाएं और महत्वपूर्ण घटनाक्रमों पर करीबी नजर बनाए रखें।

अरुणाचल प्रदेश सरकार ने महंगाई भत्ता तीन फीसदी बढ़ाया

नई दिल्ली अरुणाचल प्रदेश सरकार ने राज्य के सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में तीन प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की है। इस वृद्धि के बाद डीए-डीआर का कुल प्रतिशत 55 फीसदी से बढ़कर 58 फीसदी हो गया है। यह वृद्धि 1 जुलाई 2025 से प्रभावी होगी। इससे पहले मई 2025 में भी डीए और डीआर को 53 फीसदी से बढ़ाकर 55 फीसदी किया गया था। यह इस साल कर्मचारियों के लिए दूसरी बार डीए और डीआर में बढ़ोतरी है। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने बताया कि जुलाई से सितंबर 2025 तक का एरियर भी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को दिया जाएगा। साथ ही अक्टूबर के वेतन और पेंशन में संशोधित डीए-डीआर को शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस निर्णय को कर्मचारी कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता बताया और कहा कि इसका उद्देश्य राज्य के सरकारी कर्मचारियों और सेवानिवृत्तों को सम्मानित और समर्थ महसूस कराना है। अरुणाचल प्रदेश के इस फैसले के बाद राज्य के 75,000 से अधिक नियमित सरकारी कर्मचारी, पेंशनभोगी और एआईएस अधिकारी इस लाभ से सीधे प्रभावित होंगे। अब अरुणाचल प्रदेश के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता केंद्र सरकार के कर्मचारियों के समान स्तर पर आ गया है।

इस सप्ताह सात कंपनियां करेंगी स्टॉक स्प्लिट

शेयरों की कीमतें कम होने से निवेश करना होगा आसान

नई दिल्ली

यह सप्ताह शेयर बाजार के निवेशकों के लिए बेहद खास रहने वाला है। इस हफ्ते निवेशकों को एक साथ तीन बड़े अवसर मिलेंगे स्टॉक स्प्लिट, बोनस शेयर और डिविडेंड। कुल 7 प्रमुख कंपनियों ने अपने शेयरों का स्टॉक स्प्लिट करने की घोषणा की है, जिससे शेयरों की कीमत कम होगी और उनमें निवेश करना आसान हो जाएगा। स्टॉक स्प्लिट करने वाली कंपनियों में गोकुल एग्रो रिसोर्सेज मिटेड, टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड, वेलक्योर ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, एबी इंफ्राबिल्ड लिमिटेड, नर्मदा मैकप्लास्ट ड्रिप इरिगेशन सिस्टम्स लिमिटेड, रोलेक्स रिंग्स लिमिटेड और सुनरक्षक इंडस्ट्रीज इंडिया लिमिटेड शामिल हैं।

इनमें से अधिकांश कंपनियों की एक्स-डेट 14 से 17 अक्टूबर के बीच है, जिससे पहले निवेश करने पर निवेशक स्टॉक स्प्लिट का लाभ उठा सकते हैं। इसके साथ ही कॉनकार्ड और वेलक्योर अपने निवेशकों को बोनस शेयर देने जा रही है। वही टीसीएस, एलेकॉन और आनंद राठी वेल्थ ने इंटरिम डिविडेंड की घोषणा की है।

विशेषज्ञों के अनुसर यह समय लंबी अवे धि के निवेश के लिए अनुकूल हो सकता है, खासकर उन कंपनियों में जिनकी वित्तीय स्थिति मजबूत है।

निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट का ध्यान रखते हुए योजनाबद्ध तरीके से निर्णय लें।

डीमार्ट का मुनाफा बढ़ा, 8 नए स्टोर खुले, ई-कॉमर्स में तेजी

पहली तिमाही में 685 करोड़ का जबरदस्त मुनाफा, आय भी 15.4 फीसदी उछला

नई दिल्ली डीमार्ट सुपरमार्केट और हाइपरमार्केट चेन संचालित करने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में अच्छा प्रदर्शन किया है। कंपनी का शुद्ध मुनाफा 3.9 फीसदी बढ़कर 684.85 करोड़ रुपए हो गया, जबकि पिछले वर्ष की इसी तिमाही में यह आंकड़ा कम था। इस दौरान कंपनी की कुल आय 15.4 फीसदी बढ़कर 16,676.30 करोड़ रुपए रही। हालांकि ऐ बि टिडा (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की कमाई) 1,214 करोड़ रुपए रही, जो पिछले साल के 1,094 करोड़ रुपए से अधिक है। बावजूद इसके ऐ बि टिडा मार्जिन 7.6 फीसदी से घटकर 7.3 फीसदी पर आ गया, जो परिचालन लागत में बढ़ोतरी का संकेत है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि दो साल से अधिक पुराने स्टोर्स की बिक्री में 6.8 फीसदी की वृद्धि देखी गई है। साथ ही इस तिमाही में 8 नए स्टोर खोले गए, जिससे 30 सितंबर 2025 तक डीमार्ट के कुल स्टोर्स की संख्या 432 हो गई। सरकार द्वारा हाल ही में की गई जीएसटी दरों में कटौती का लाभ भी डीमार्ट ने ग्राहकों तक पहुंचाया।

कियोसाकी की चेतावनी: अब नहीं चलेगी 60/40 निवेश रणनीति

'रिच डैड पुअर डैड' के लेखक ने शेयर-बॉन्ड आधारित पारंपरिक मॉडल को बताया फेल

नई दिल्ली फाइनेंशियल एडवाइजर और मशहूर किताब 'रिच डैड पुअर डैड' के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने पारंपरिक 60/40 निवेश रणनीति को पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह मॉडल 1971 में खत्म हो गया था, जब अमेरिका ने गोल्ड स्टैंडर्ड को छोड़ा और डॉलर की वैल्यू सिर्फ सरकार के भरोसे पर टिक गई। कियोसाकी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि अब डॉलर और अमेरिकी सरकार पर भरोसा करना मुश्किल है, क्योंकि अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा कर्जदार देश बन चुका है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, कौन मूर्ख होगा जो ऐसे देश के बॉन्ड खरीदेगा? कियोसाकी ने कहा कि अब समय आ गया है कि लोग बिटकॉइन, सोना और चांदी जैसे असली संपत्तियों में निवेश करें। उनके मुताबिक ये संपत्तियां मुद्रास्फीति और सरकारी छेड़छाड़ से बचाने में सक्षम हैं। वे इन्हें पीपुल्स मनी कहते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अब बड़ी वित्तीय कंपनियां जैसे मॉर्गन स्टेनली भी 60/20/20 मॉडल को अपनाने की सिफारिश कर रही हैं, जिसमें वैकल्पिक निवेश को जगह दी जा रही है। कियोसाकी ने कहा कि मैं 30 साल पहले ही आर्थिक रूप से आज़ाद हो गया था। मुझे कभी किसी फॉर्मूले की जरूरत नहीं पड़ी। उन्होंने सलाह दी कि हर व्यक्ति को अपने हिसाब से सही निवेश रणनीति अपनानी चाहिए।

फेस्टिव सीज़न में क्या पहनना है?

राशि खन्ना हैं आपकी परफेक्ट स्टाइल गाइड!

त्योहारों का मौसम शुरू होते ही सबकी नज़रें पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना पर टिकी हैं, जिनका बेमिसाल एथनिक वॉर्डरोब स्टाइल इंस्पिरेशन से कम नहीं। हवादार कुर्ता सेट से लेकर शाही साड़ियों और खूबसूरत लहंगों तक, राशि हमें दिखाती हैं कि कैसे पारंपरिक फैशन को ग्रेस, ग्लैमर और मॉडर्न ट्विस्ट के साथ अपनाया जा सकता है। यहाँ हैं उनके कुछ सबसे खूबसूरत फेस्टिव लुक्स, जो आपके अपने फेस्टिव स्टाइल गेम को एक नया आयाम देंगे। गुलाबी रंग में सुंदर- वाइब्रेंट कुर्ता चिक राशि ने इस लुक में सादगी और शान का परफेक्ट मेल पेश करती हैं – फ्यूशिया पिंक कुर्ता सेट, जिस पर नाजुक कढ़ाई की गई है। ट्रेडिशनल जुत्तियों और स्टेटमेंट इयररिंग्स के साथ यह लुक उतना ही सहज है जितना कि एलीगेंट। परिवारिक समारोहों, पूजा या छोटे फेस्टिव गेट-टुगेदर्स के लिए यह एकदम परफेक्ट चॉइस है। राशि का यह मस्टर्ड कुर्ता लुक सादगी और एलिगेंस का एक बेहतरीन उदाहरण है। सफेद धागों की कढ़ाई और पारंपरिक चूड़ियाँ इसमें एक नर्म आकर्षण जोड़ती हैं, जो दिन के उत्सवों या कैजुअल फेस्टिव इवेंट्स के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है।

➤ साड़ी ग्लैमर: आइवरी एलिगेंस

जो लोग सदाबहार पारंपरिक लुक को पसंद करते हैं, उनके लिए राशि की आइवरी सिल्क साड़ी और कंट्रास्टिंग पिंक ब्लाउज़ एकदम परफेक्ट हैं। गजरे से सजा जूड़ा, स्टेटमेंट ज्वेलरी और मिनिमल मेकअप पुराने ज़माने की खूबसूरती का एहसास देते हैं – फेस्टिव डिनर या सांस्कृतिक समारोहों के लिए यह एक क्लासिक चॉइस है।

➤ रीगल रेडियंस: ऑलिव-गोल्ड साड़ी स्टेटमेंट

राशि की तरह बोल्ड और सोफिस्टिकेटेड स्टेटमेंट दें इस डैज़लिंग ऑलिव-गोल्ड साड़ी में, जिसे उन्होंने डीप-कट एम्बेलिश्ड ब्लाउज़ के साथ पेयर किया है। यह लुक पारंपरिक कारीगरी और मॉडर्न स्टाइल का शानदार संगम है – भव्य पारिवारिक आयोजनों या फेस्टिव पार्टियों के लिए एकदम उपयुक्त है।

➤ फेस्टिव ड्रीम: ग्रीन और पिंक लहंगा लव

जब फेस्टिव मूड अपने चरम पर हो और आप कुछ नया ट्राय करने का मन हो, तो राशि का यह ग्रीन और पिंक लहंगा तोरानी डिज़ाइनर का सबसे खास त्यौहारी आकर्षण है जो किसी शोस्टॉपर से कम नहीं। बारीक डिटेलिंग, रिच कलर्स और पारंपरिक ज्वेलरी के साथ यह लुक शादियों, रिसेप्शन या दीवाली पार्टीज़ के लिए परफेक्ट है।

सोनू सूद फिर जरूरतमंद परिवार की मदद के लिए आगे आए

अपनी अटूट करुणा और संवेदनशीलता की एक और दिल छू लेने वाली मिसाल पेश करते हुए अभिनेता और समाजसेवी सोनू सूद एक बार फिर एक ज़रूरतमंद परिवार की मदद के लिए आगे आए। एक सोशल मीडिया यूजर ने उन्हें एक मैसेज भेजा, जिसमें याद दिलाया गया कि सोनू सूद पंजाब की बाढ़ के समय इसी परिवार से मिले थे। संदेश में लिखा था –सोनू सूद भाई, आप इस परिवार से पंजाब बाढ़ के समय मिले थे। कृपा करके इन्हें मदद करें। करोड़ों लोगों की मदद की है आपने। ?? सूद फाउंडेशन अपने 'एक्शन मैन' वाली पहचान को साबित करते हुए सोनू सूद ने तुरंत इस अपील का जवाब दिया। बिना किसी देरी के उन्होंने भरोसा दिलाया कि मदद पहले से ही चल रही है, और जवाब दिया, इलाज शुरू करवा दिया है। सब दुआ करते रहें। उनकी प्रतिक्रिया की सरलता और तत्परता ने एक बार फिर संकटग्रस्त लोगों के प्रति उनके व्यावहारिक दृष्टिकोण और सच्ची प्रतिबद्धता को उजागर किया। सोनू के लिए, परोपकार एक दिखावा नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। पिछले कुछ वर्षों में, सोनू सूद देश भर के अनगिनत लोगों के लिए आशा और मानवता के प्रतीक बन चुके हैं। चाहे चिकित्सा सहायता दिलवाना हो, आर्थिक मदद पहुँचानी हो या आपदाग्रस्त परिवारों को संभालना – उनकी संस्था सूद फाउंडेशन के माध्यम से किए गए निरंतर प्रयास आज भी लाखों लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। एक बार फिर, उनके काम ने यह साबित कर दिया कि असली हीरो वही होता है जो संवेदना और उद्देश्य के साथ आगे बढ़ता है।

पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंचे सुनील शेट्टी

पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी ने बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। एक्टर ने कोर्ट से मांग की है कि बिना अनुमति के उनके फोटो का इस्तेमाल जुए की साइट्स, बिजनेस साइट्स और कई गलत जगहों पर किया जा रहा है, ऐसे में उन्हें पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा दी जाए। सुनील शेट्टी के वकील, वरिष्ठ एडवोकेट बिरेन्द्र सराफ ने कहा कि सुनील शेट्टी फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं और उनकी बिना इजाजत के उनकी तस्वीरें, वीडियो और डीपफेक कंटेंट का इस्तेमाल अलग-अलग बिजनेस साइट्स कर रही हैं। ज्यादा तस्वीरें और वीडियो का इस्तेमाल प्रोडक्ट के विज्ञापन और सेल को बढ़ाने में किया जा रहा है, जिससे ऐसा लगता है कि शेट्टी इन ब्रांड्स या सेवाओं से जुड़े हैं, जबकि हकीकत में उनका उन ब्रांड से कोई लेना-देना नहीं है। इससे दर्शकों के बीच एक्टर की छवि को लेकर गलत मैसेज जाता है। सुनील शेट्टी की तरफ से दायर की गई याचिका में डीपफेक फोटो का भी जिक्र है।

चंदू चैंपियन के लिए कार्तिक आर्यन को मिला सम्मान

● गौतम अडानी ने सम्मानित किया, सुभाष घई बोले- एक्टर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ काम

मुंबई के व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल में शुक्रवार को आयोजित Celebrate Cinema 2025 के समापन समारोह में इंडस्ट्री के कई दिग्गज एक मंच पर नजर आए। इस मौके पर अडानी ग्रुप चेयरमैन गौतम अडानी ने अभिनेता कार्तिक आर्यन को फिल्म चंदू चैंपियन के लिए सम्मानित किया। मंच पर डॉ. प्रीति अडानी, सुभाष घई, राजकुमार हिरानी, जैकी श्रॉफ और महावीर जैन भी मौजूद रहे। इस मौके पर सुभाष घई ने बताया कि कार्तिक का फिल्म चंदू चैंपियन में अब तक का सर्वश्रेष्ठ काम है।

समापन समारोह के दौरान अडानी ने सॉफ्ट पावर ऑफ सिनेमा पर बात करते हुए कहा कि सिनेमा सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि देश की पहचान और भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा - अब वक्त है कि भारत की कहानी भारतीय नजरिए से दुनिया तक पहुंचे।ढ्ढ तकनीक पर बात करते हुए अडानी ने कहा कि ढ्ढ से डरने के बजाय उसे अपनाना चाहिए, क्योंकि यही फिल्ममेकिंग का भविष्य है।

गौतम अडानी से सम्मानित होने के बाद कार्तिक आर्यन ने कहा, सर, आपकी स्पीच मेरी जिंदगी की सबसे प्रेरणादायक स्पीच में से एक थी। मैं ढ्ढ से डरता था, लेकिन आपने मेरी सोच बदल दी।'' उन्होंने व्हिसलिंग वुड्स को देश का श्रेष्ठ फिल्म स्कूल बताया और सुभाष घई को अपने करियर का अहम मार्गदर्शक कहा। सुभाष घई ने भावुक होकर कहा- बहुत कम लोग जानते हैं कि कार्तिक मेरी फिल्म कांची के हीरो थे और छह महीने तक मेरे असिस्टेंट डायरेक्टर भी रहे। चंदू चैंपियन उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ काम है। राजकुमार हिरानी ने अडानी के भाषण को शोले की स्पीच जैसा ऐतिहासिक बताया और कहा कि सिनेमा की सॉफ्ट पावर उसकी सच्चाई में है।

इंटरनेशनल म्यूज़िक फेस्टिवल अनटोल्ड

दुबई 2025 में ग्लोबल स्टार नोरा फतेही मुख्य होंगी आकर्षण

ग्लोबल स्टार नोरा फतेही एक बार फिर इतिहास रचने के लिए तैयार हैं क्योंकि वह दुनिया के सबसे बड़े और बहुप्रतीक्षित म्यूज़िक फेस्टिवल्स में से एक UNTOLD दुबई 2025 के स्टार-स्टडेड लाइनअप में शामिल होंगी। यह फेस्टिवल 6 से 9 नवम्बर तक एक्सपो सिटी दुबई में आयोजित होगा, जहां नोरा, जे बाल्विन, मार्टिन गैरिक्स और एलन वॉकर सहित विश्व के कुछ सबसे बड़े संगीत हस्तियों के साथ मंच साझा करेंगी। यह फेस्टिवल, जो अपनी भव्य प्रस्तुति, विविध कलाकारों की मौजूदगी और अद्भुत अनुभव के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है, इस वर्ष अपने शानदार अंदाज़ में वापसी कर रहा है, और नोरा का मुख्य परफॉर्मेंस इस फेस्टिवल की सबसे बड़ी आकर्षणों में से एक होने वाली है। दर्शक उम्मीद कर सकते हैं एक हाई-एनर्जी प्रस्तुति की, जिसमें नोरा की सिग्नेचर डांस एनर्जी, पॉप स्टाइल और इंटरनेशनल साउंड का अनोखा संगम देखने को मिलेगा – जो एक ग्लोबल परफ़ॉर्मर के रूप में नोरा के विकास को दर्शाता है। ओह मामा! टेटेमा और स्नेक जैसे चार्ट-टॉपिंग हिट्स से लेकर जेसन डेरुलो और रेवनी के साथ ग्लोबल कोलैबोरेशन तक, और अब जल्द ही रिलीज होने वाली सॉन्ग शेनसीया के साथ उनके बहुप्रतीक्षित आगामी अंतर्राष्ट्रीय पॉप सिंगल जस्ट अ गर्ल तक, नोरा फतेही संगीत और प्रदर्शन के माध्यम से संस्कृतियों को जोड़ती रही हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वायरल हो चुका है, जो उनके बढ़ते वैश्विक प्रभाव और सफलता में एक और उपलब्धि जोड़ता है, क्योंकि वह हर रिलीज़ के साथ ग्लोबल चार्ट और चर्चाओं पर हावी रहती हैं।

60 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में शिल्पा शेट्टी की सफाई

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ दर्ज 60 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी के मामले में जांच तेज कर दी है। इसी कड़ी में पिछले सप्ताह शिल्पा शेट्टी का बयान दर्ज किया गया। जांच एजेंसी के अनुसार, शिल्पा शेट्टी ने अपने बयान में कहा कि उन्होंने बेस्ट डील टीवी से 4 करोड़ रुपए लिए, लेकिन यह रकम किसी निवेश या कारोबारी सौदे की नहीं थी, बल्कि उनकी सेलिब्रिटी फीस थी। शिल्पा शेट्टी ने जांचकर्ताओं से कहा कि मैं बेस्ट डील टीवी की डायरेक्टर जरूर थी, लेकिन जिन 4 करोड़ रुपए की बात हो रही है, वो मैंने कंपनी के प्रचार और विज्ञापन के लिए बतौर सेलिब्रिटी लिए थे। मैंने उस प्लेटफॉर्म पर एक विज्ञापन अभियान में हिस्सा लिया था, जिसके एवज में मुझे भुगतान किया गया। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शिल्पा शेट्टी ने कंपनी से जनवरी 2016 में अपने डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, जिस कंपनी में वे डायरेक्टर थीं, उसी से पैसे लेने का मामला अब जांच के दायरे में है। यह सही है या गलत, यह अभी सब्जेक्ट टू इंटरप्रिटेशन है। अधिकारी ने आगे कहा कि जांच के दौरान कंपनी से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल में एक और अहम जानकारी सामने आई है। शुरुआती चरण में इस कंपनी में बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार भी इक्विटी होल्डर रह चुके हैं। हालांकि, अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में अक्षय कुमार का कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं पाया गया है। अक्षय कुमार ने कभी भी कंपनी की किसी बोर्ड मीटिंग में हिस्सा नहीं लिया और न ही वे कंपनी के रोजमर्रा के कार्यों से जुड़े थे। बता दें कि शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा पर व्यवसायी दीपक कोठारी ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया था। कोठारी का दावा है कि दंपति ने मिलकर उनका पैसा व्यवसाय में विस्तार करने के लिए कर्ज के तौर पर लिया था, लेकिन टैक्स को लेकर दोनों ने इसे निवेश के तौर पर दिखाने के लिए कहा। कोठारी ने शिकायत में यह भी कहा कि शिल्पा ने उनसे वादा किया था कि वह ब्याज की रकम भी टाइम पर लौटाएंगी, लेकिन पैसे वापस करने के समय शिल्पा ने कंपनी के डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया। एक्ट्रेस ने व्यवसाय में विस्तार के नाम पर पैसे लिए, लेकिन अपने निजी चीजों में खर्च कर दिए।

अश्लीलता वाली फिल्मों की मंजूरी पर जावेद अख्तर ने उठाया सवाल

दोहरे अर्थ वाले गानों के बारे में भी की बात

गीतकार जावेद अख्तर ने फिल्मों की सेंसरशिप पर अपनी राय रखी है। उन्होंने दोहरे अर्थ वाले गानों के बारे में भी बात की है। आइए जानते हैं उनके विचार। मशहूर गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर अक्सर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्मों की सेंसरशिप पर बात रखी है। उन्होंने इस बात पर निराशा जताई है कि समाज की वास्तविकता को दर्शाने वाली फिल्मों को भारत में सेंसरशिप का सामना करना पड़ता है, जबकि अश्लीलता से भरपूर फिल्मों को मंजूरी मिल जाती है।

अश्लील फिल्मों को मिलती है मंजूरी

शुक्रवार को एक कार्यक्रम में बोलते हुए, अख्तर ने कहा कि खराब दर्शक ही एक खराब फिल्म को सफल बनाते हैं। अनंतरंग 2025 के प्रोग्राम में बोलते हुए उन्होंने कहा इस देश में, सच्चाई यह है कि अश्लीलता को (फिल्म नियामक संस्थाओं से) मंजूरी मिल जाती है। उन्हें पता ही नहीं है कि ये गलत मूल्य हैं, एक पुरुषवादी दृष्टिकोण है जो महिलाओं को अपमानित करता है। जो चीजें समाज को आईना दिखाती हैं, उन्हें मंजूरी नहीं मिलती।

फिल्में समाज की खिड़की हैं

जावेद अख्तर ने कहा फिल्म समाज की एक खिड़की होती है, जिससे आप झांकते हैं, फिर खिड़की बंद कर देते हैं, लेकिन खिड़की बंद करने से जो हो रहा है, वह ठीक नहीं हो जाएगा। उन्होंने कहा पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य की वजह से ही ऐसी फिल्में बन रही हैं। अगर पुरुषों का मानसिक स्वास्थ्य बेहतर हो जाए, तो ऐसी फिल्में नहीं बनेंगी। अगर बन भी जाएंगी तो (सिनेमाघरों में) नहीं चलेंगी।

साभार एजेंसी

फॉलोऑन खेलते हुए वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 173 रन बनाये

–कैम्पबेल और होप ने अर्धशतक लगाकर पारी संभाली

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम ने मेहमान टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भी अपना शिकंजा कस दिया है। दूसरे टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज की टीम ने फॉलोआन खेलते हुए अपनी दूसरी पारी में 173 रनों के अंदर ही दो विकेट गंवा दिये। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय जॉन कैम्पबेल 87 रन पर जबकि शे होप 66 रन बनाकर खेल रहे थे। इस मैच में मेहमान टीम अब भी 97 रन से पीछे है। भारतीय टीम ने पहली पारी पांच विकेट पर 518 रन पर घोषित की थी। वहीं वेस्टइंडीज टीम अपनी पहली पारी में सिर्फ 248 रनों पर ही सिमट गयी थी। इससे भारतीय टीम को पहली पारी के आधार पर 270 रन की बढ़त मिल गयी थी।

दूसरी पारी में वेस्टइंडीज टीम शुरुआती झटकों के बाद संभली। शाई होप और जॉन कैंपबेल ने भारतीय गेंदबाजों का अच्छी तरह से सामना किया।

वहीं इससे पहले स्पिनर कुलदीप यादव के पांच विकेट से भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज की पहली पारी को 248 के स्कोर पर समेट दिया। कुलदीप यादव के अलावा रवींद्र जडेजा को 3 और बुमराह-सिराज को 1-1 विकेट मिला। वेस्टइंडीज ने टी ब्रेक तक 2 विकेट खो दिए। वेस्टइंडीज ने तीसरे सत्र में अच्छा खेल दिखाया। कैम्पबेल ने अर्धशतक लगाया। यह इस सीरीज में किसी भी वेस्टइंडीज के बल्लेबाज का पहला अर्धशतक था। वहीं इससे पहले भारत ने पहली पारी में यशस्वी जायसवाल 175 और शुभमन गिल के नाबाद शतक 129 रनों की सहायता से अपनी पहली पारी में 518 रन बनाए थे।

स्मृति मंधाना ने रचा इतिहास, बेलिंडा क्लार्क का 26 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने रविवार को महिला क्रिकेट इतिहास में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला विश्व कप मैच के दौरान एक कैलेंडर वर्ष में 1000 वनडे रन पूरे करने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनकर नया रिकॉर्ड बनाया।

छक्के से पूरा किया ऐतिहासिक मील का पत्थर

मंधाना को इस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए 18 रनों की आवश्यकता थी, जिसे उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज सोफी मोलिनक्स की गेंद पर शानदार छक्का लगाकर हासिल किया। उनका यह उपलब्धि हासिल करना न सिर्फ भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण था, बल्कि महिला क्रिकेट के इतिहास में भी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन

स्मृति मंधाना ने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में 1997 में बेलिंडा क्लार्क के बनाए 970 रनों का रिकॉर्ड तोड़ा था। मंधाना ने पारी के आठवें ओवर में अयाबोंगा खाका की गेंद पर छक्का जड़कर क्लार्क का रिकॉर्ड ध्वस्त किया। अब वह 1000 रन के आंकड़े को पार कर चुकी हैं।

लगातार तीसरा वनडे विश्व कप

29 वर्षीय स्मृति मंधाना अपना तीसरा वनडे विश्व कप खेल रही हैं। वह 2017 विश्व कप में उपविजेता रही भारतीय टीम का भी हिस्सा थीं। अब मंधाना वनडे में 5000 रन पूरे करने के करीब हैं। यह मुकाम हासिल करने पर वह यह उपलब्धि प्राप्त करने वाली दूसरी भारतीय और कुल पाँचवीं महिला बल्लेबाज़ बन जाएंगी।

विश्व कप में मिला-जुला प्रदर्शन

हालाँकि रिकॉर्ड्स के बावजूद, मंधाना का मौजूदा विश्व कप में प्रदर्शन थोड़ा अस्थिर रहा है। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 8, पाकिस्तान के खिलाफ 23, और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 23 रन बनाए। भारत ने शुरुआती दो मैच जीते, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शीर्ष क्रम के फ्लॉप होने से टीम को 3 विकेट से हार झेलनी पड़ी।

अरशद नदीम के कोच सलमान इकबाल पर लगा आजीवन प्रतिबंध

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम के लंबे समय से कोच रहे सलमान इकबाल पर पाकिस्तान एमेच्योर एथलेटिक्स महासंघ (PAAF) ने रविवार को आजीवन प्रतिबंध लगा दिया है। उन पर पंजाब एथलेटिक्स संघ के संविधान का उल्लंघन करने का आरोप है। प्रतिबंध के तहत, सलमान इकबाल अब किसी भी एथलेटिक्स गतिविधि, कोचिंग या संगठनात्मक भूमिका में भाग नहीं ले सकेंगे।

पंजाब एथलेटिक्स संघ के चुनाव विवाद से जुड़ा मामला

महासंघ ने आरोप लगाया कि इकबाल ने अगस्त में पंजाब एथलेटिक्स संघ के चुनाव कराकर नियमों का उल्लंघन किया। सितंबर के मध्य में गठित एक जांच समिति ने रिपोर्ट सौंपी और 10 अक्टूबर को इकबाल पर आजीवन प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की थी।

अरशद नदीम के प्रदर्शन पर उठे सवालों के बाद बढ़ा विवाद

यह फैसला उस विवाद के तुरंत बाद आया जब पाकिस्तान खेल बोर्ड (क्क्क) ने इकबाल से टोक्यो विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अरशद नदीम के खराब

प्रदर्शन पर स्पष्टीकरण मांगा था। क्क्क ने यह भी पूछा था कि एथलीट के प्रशिक्षण और यात्रा पर खर्च कैसे किया गया। इकबाल ने अपने जवाब में खुलासा किया कि पिछले एक वर्ष से PAAF ने अरशद नदीम से जुड़े किसी भी मामले में भाग नहीं लिया, और उन्हें दक्षिण अफ्रीका में प्रशिक्षण और पिंडली की चोट से उबरने के लिए निजी आर्थिक मदद का सहारा लेना पड़ा।

कोच और संघ के बीच गहराता टकराव

सलमान इकबाल कई वर्षों से अरशद नदीम के मुख्य कोच और मेंटर रहे हैं और उन्होंने पाकिस्तान के लिए कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में एथलीट को तैयार किया। हालांकि अब इस निर्णय के बाद पाकिस्तान के सबसे सफल एथलीटों में से एक नदीम का कोचिंग भविष्य असमंजस में पड़ गया है।

ऑल फॉर्मेट के बादशाह : धोनी, कोहली, रोहित और बुमराह का धमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम में कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने चाहे टेस्ट हो, वनडे हो या टी20 तीनों फॉर्मेट में अपनी छाप छोड़ी है और सभी फॉर्मेट में कम से कम 50 मैच खेलने का गौरव हासिल किया है। एमएस धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा ऐसे नाम हैं जो इस सूची में सबसे ऊपर रहते हैं, और अब जसप्रीत बुमराह भी इस खास क्लब में शामिल हो गए हैं। बुमराह वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने 50वें टेस्ट मैच में खेल रहे हैं, जिससे वह सभी फॉर्मेट में कम से कम 50 मैच खेलने वाले सातवें भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। जसप्रीत बुमराह वनडे में 89 और टी20 में 75 मैच खेल चुके हैं। वे अपना 50वां टेस्ट दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेल रहे है। इससे पहले, एमएस धोनी इस लिस्ट में पहले शामिल हुए थे। धोनी ने अपने इंटरनेशनल करियर में 90 टेस्ट,

350 वनडे और 98 टी20 मैच खेले थे। उन्होंने 15 अगस्त 2020 को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, लेकिन उनके योगदान को भारतीय क्रिकेट में हमेशा याद किया जाएगा।

विराट कोहली और रोहित शर्मा भी इस सूची में दिग्गजों के रूप में शामिल हैं। विराट कोहली ने 123 टेस्ट, 302 वनडे और 125 टी20 मैच खेले हैं, जबकि रोहित शर्मा ने 67 टेस्ट, 273 वनडे और 159 टी20 मैचों में देश का प्रतिनिधित्व किया। दोनों खिलाड़ियों ने टेस्ट और टी20 क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया है, लेकिन वनडे फॉर्मेट में वे अब भी सक्रिय हैं। रवींद्र जडेजा और आर अश्विन की जोड़ी भी सभी फॉर्मेट में कम से कम 50 मैच खेलने वाले भारतीय खिलाड़ियों में शामिल है। अश्विन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया है और उन्होंने 106 टेस्ट, 116 वनडे और 65 टी20 मैच खेले। वहीं जडेजा अब भी वनडे और टेस्ट में सक्रिय हैं और उन्होंने 86 टेस्ट, 204 वनडे और 74 टी20 मैच खेलकर टीम इंडिया को सेवा दी है।

केएल राहुल इस क्लब में छठे भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने अब तक 64 टेस्ट, 85 वनडे और 72 टी20 मैच खेले हैं और लगातार भारत के लिए योगदान दे रहे हैं। इस सूची से स्पष्ट है कि एमएस धोनी, विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा, आर अश्विन और केएल राहुल जैसे खिलाड़ी भारतीय क्रिकेट के हर फॉर्मेट में अपनी शानदार छवि बनाए हुए हैं। इनके अनुभव और प्रदर्शन ने टीम इंडिया को विश्व क्रिकेट में एक अलग पहचान दिलाई है और ये खिलाड़ी आने वाले वर्षों में भी युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बने रहेंगे।

वाशेरोट ने अपने चचेरे भाई रिंडरनेच को हराकर शंघाई मास्टर्स खिताब जीता

शांघाई । वैलेंटिन वाशेरोट ने क्वालीफाइंग दौर से मुख्य दौर में जगह बनाने के बाद रविवार को अपने चचेरे भाई आर्थर रिंडरनेच को 4–6, 6–3, 6–3 से हराकर शंघाई मास्टर्स का खिताब अपने नाम किया। विश्व रैंकिंग में 204वें स्थान पर काबिज 26 साल के वाशेरोट एटीपी मास्टर्स 1000 के इतिहास में सबसे कम रैंकिंग वाले विजेता है। वह एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर का खिताब जीतने वाले मोनाको के पहले खिलाड़ी भी है। वाशेरोट ने सेमीफाइनल में 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन दिग्गज नोवाक जोकोविच को हराया था जबकि रिंडरनेच ने चार ग्रैंडस्लैम का फाइनल खेलने वाले दानिल मेदवेदेव को शिकस्त दी थी।

न्यूजीलैंड से मिली हार को नहीं भूलना चाहते हैं गंभीर

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर अपने आक्रामक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। गंभीर के कोच बनने के बाद से ही टीम को शुरुआत में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करारी हार मिली थीं। जिसके बाद वह आलोचना का शिकार हुए थे। इसके बाद गंभीर टीम को चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप जिताने में सफल हुए हैं पर वह न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी ही धरती पर मिली हुई हार को नहीं भूल पा रहे। तब भारतीय टीम को टेस्ट सीरीज में अपनी ही धरती पर 0–3 से हार का सामना करना पड़ा था। ये पहला अवसर था जब न्यूजीलैंड की टीम भारत की धरती पर टेस्ट सीरीज जीती थी। इस हार के कारण ही भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल की दौड़ से भी बाहर हो गयी थी। आकाश चोपड़ा से बातचीत के दौरान गंभीर ने कहा है कि कोचिंग करियर में मिले इस झटक से वह कभी नहीं उबर पायेंगे। साथ ही कहा कि वह इस प्रकार की हार को भूलना भी नहीं चाहते। यही बात उन्होंने टीम से भी कही है। गंभीर ने कहा कि कभी–कभी अतीत को याद रखना भी जरूरी होता है। अगर ऐसा नहीं होता है तो आप चीजों को हल्के में लेने लगते हैं. आपको कभी भी किसी चीज को हल्के में नहीं लगते हैं। सभी सोचते थे कि हम न्यूजीलैंड को आसान से हरा सकते हैं।'

रोहित शर्मा के ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर रहेंगी सबकी निगाहें

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट के हिटमैन रोहित शर्मा पर एक बार फिर पूरी क्रिकेट दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं। टीम इंडिया की कप्तानी छिनने के बावजूद उन्होंने अपने खेल और फिटनेस पर पूरा ध्यान केंद्रित किया है। सूत्रों के मुताबिक, रोहित ने पिछले कुछ महीनों में करीब 15 किलो वजन घटाया है और अब पहले से कहीं अधिक फिट और फुर्तीले नजर आ रहे हैं। उनकी यह नई ऊर्जा और समर्पण बताती है कि वह अब भी मैदान पर कुछ साबित करने के इरादे से उतरने वाले हैं। आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरा रोहित शर्मा के अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह श्रृंखला उनके लिए 'करो या मरो' जैसी साबित हो सकती है। यदि रोहित वहां शानदार प्रदर्शन करते हैं, तो चयनकर्ताओं के लिए उन्हें नजरअंदाज करना मुश्किल होगा। वहीं, कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि इस दौरे के बाद रोहित अपने अंतरराष्ट्रीय करियर से संन्यास ले सकते हैं।

हालांकि, उनके अनुभव, बल्लेबाजी की समझ और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए क्रिकेट विशेषज्ञ अब भी मानते हैं कि रोहित के पास टीम इंडिया को देने के लिए बहुत कुछ बाकी है। टी20 प्रारूप में भी रोहित शर्मा को एक भरोसेमंद खिलाड़ी के रूप में देखा जाता है। उनका शांत स्वभाव, मैच सिचुएशन को समझने की क्षमता और टीम को संतुलित रखने की कला उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाती है। कप्तानी भले ही उनसे चली गई हो, लेकिन उनकी उपस्थिति टीम के लिए अब भी प्रेरणादायक मानी जाती है। फिटनेस पर ध्यान देकर उन्होंने यह संदेश दिया है कि उम्र या पद नहीं, बल्कि मेहनत और अनुशासन ही किसी खिलाड़ी को महान बनाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि जिम्बाब्वे के स्टार ऑलराउंडर सिकंदर रजा द्वारा चुनी गई एक विशेष टीम में भी रोहित शर्मा को शामिल किया गया है। इस चयन ने यह दिखा दिया है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ी और विश्लेषक अब भी रोहित के अनुभव, नेतृत्व और मैच जिताने की क्षमता को ऊंचा दर्जा देते हैं। यही वजह है कि भारतीय फैंस के बीच भी यह चर्चा जोरों पर है कि क्या रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया में अपने बल्ले से एक बार फिर इतिहास रचेंगे। रोहित का यह नया रूप फिट, केंद्रित और दृढ़ यह साबित करता है कि वह अब भी क्रिकेट के सबसे ऊर्जावान खिलाड़ियों में से एक हैं। ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर उनका प्रदर्शन यह तय करेगा कि आने वाले वर्षों में भारतीय क्रिकेट में उनकी भूमिका कितनी महत्वपूर्ण बनी रहती है।

आईपीएल 2026 की नीलामी दिसंबर में, भारत में आयोजन की बढ़ी संभावना

–रिटेंशन की समय सीमा 15 नवंबर तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 की नीलामी दिसंबर के दूसरे या तीसरे सप्ताह में होने की संभावना जताई जा रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, 13 से 15 दिसंबर के बीच यह आयोजन हो सकता है। एक खबर के अनुसार फ्रेंचाइजी अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने बीसीसीआई से बातचीत की है और चर्चा इन्हीं तारीखों पर केंद्रित है। हालांकि, अभी तक लीग की गवर्निंग काउंसिल ने अंतिम कार्यक्रम तय नहीं किया है। इस बार नीलामी भारत में ही आयोजित होने की संभावना अधिक है, जबकि पिछले दो वर्षों में यह विदेश में हुई थी। पहले दुबई में (2023) और फिर सऊदी अरब के जेद्दा में (2024)। फ्रेंचाइजियों का मानना है कि अगर इस बार मिनी नीलामी भारत में होती है, तो यह कोई चौंकाने वाली बात नहीं होगी।

हालांकि, इस संबंध में अंतिम फैसला अभी नहीं लिया गया है। रिटेंशन की समय सीमा 15 नवंबर तय की गई है, यानी तब तक सभी टीमों को यह बताना होगा कि वे किन खिलाड़ियों को बनाए रख रही हैं और किन्हें रिलीज करने की योजना है। पिछले सीजन में सबसे निचले पायदान पर रही चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स में कुछ बड़े बदलाव संभव हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, रिलीज लिस्ट में दीपक हुड्डा, विजय शंकर, राहुल त्रिपाठी, सैम करन और सीएसके के डेवोन कॉनवे जैसे खिलाड़ियों के नाम शामिल हो सकते हैं। आर. अश्विन के आईपीएल से संन्यास लेने के बाद पांच बार की चैंपियन टीम चेन्नई सुपर किंग्स के पास पहले ही 9.75 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि जुड़ चुकी है। वहीं, राजस्थान रॉयल्स में संजू सैमसन की स्थिति पर भी नजर है, हालांकि उनके कप्तान पद को लेकर फिलहाल कोई निर्णय नहीं हुआ है।

सूत्रों के मुताबिक, रॉयल्स द्वारा श्रीलंकाई स्पिनरों वानिंदु हसरंगा और महेश तीक्षाना को रिलीज करने की योजना पर विचार चल रहा था, लेकिन मुख्य कोच कुमार संगकारा की वापसी के बाद इसमें बदलाव की संभावना है। इसके अलावा, टी नटराजन, मिशेल स्टार्क, आकाशदीप, मयंक यादव और डेविड मिलर जैसे खिलाड़ियों को भी नई टीमों की तलाश करनी पड़ सकती है। इस बीच, ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन नीलामी में सबसे चर्चित नामों में से एक माने जा रहे हैं। चोट के कारण पिछली नीलामी से बाहर रहे ग्रीन इस बार कई फ्रेंचाइजियों के रडार पर हैं। माना जा रहा है कि इस मिनी नीलामी में उन पर भारी बोली लग सकती है।

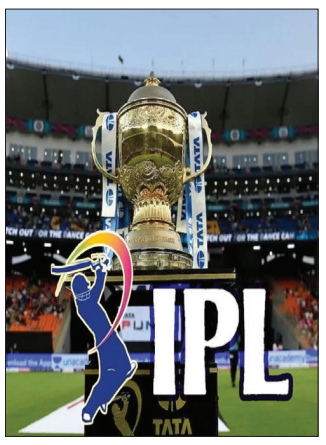

रोनाल्डो गोल करने से चूके लेकिन पुर्तगाल ने आयरलैंड को 1–0 से हराया

लंदन । दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो पेनल्टी किक पर गोल करने से चूक गए लेकिन आखिरी क्षणों में रुबेन नेवेस के गोल की बदौलत पुर्तगाल ने विश्व कप क्वालीफाइंग के यूरोपीय चरण में शनिवार को यहां आयरलैंड को 1–0 से हराकर ग्रुप एफ की तालिका में अपनी बढ़त मजबूत कर ली। रोनाल्डो मैच के 75वें मिनट में पेनल्टी पर चूक गए लेकिन नेवेस ने (90+1 मिनट) में गोल कर टीम को लगातार तीसरी जीत दिलाई। इस जीत के साथ ही टीम ने ग्रुप तालिका में नौ अंक के साथ दूसरे स्थान पर काबिज हंगरी पर पांच अंक की बढ़त कायम कर ली है। ग्रुप के दूसरे मैच में हंगरी ने डेनियल लुकाक्स और ज़ोम्बोर ग्रुबर के गोल की मदद से आर्मेनिया को 2–0 से हराया। स्पेन ने ग्रुप ई के मैच में जॉर्जिया को 2–0 से हराने के बाद तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। बार्सिलोना के चोटिल प्रतिभाशाली खिलाड़ी लामिन यामल की गैरमौजूदगी में येरेमी पिनो और मिकेल ओयारजाबल के गोल से यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने जीत दर्ज की। ग्रुप के अन्य मैच में तुर्की ने बुल्गारिया को 6–1 से हराया। नॉर्वे ने ग्रुप आई में एर्लिंग हालैंड की हैट्रिक से इस एकतरफा मैच को 5–0 से अपने नाम किया। हालैंड के नाम अब नॉर्वे के लिए 46 मैचों में 51 गोल हो गए है। टीम की यह छह मैचों में छठी जीत है और वह ग्रुप तालिका में इटली से छह अंक आगे 18 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर है। इटली ने एस्टोनिया को 3–1 से हराया।

जोहर कप 2025: भारत ने न्यूजीलैंड को 4-2 से हराकर जारी रखा अजेय अभियान

जोहर बहारू (मलेशिया) (एजेंसी)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने सुल्तान जोहोर कप के दूसरे मैच में न्यूजीलैंड को 4-2 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। इससे पहले भारत ने टूर्नामेंट के पहले मैच में ब्रिटेन को 3-2 से मात दी थी।

भारत ने मैच की शुरुआत जबरदस्त दबाव के साथ की। पहले क्वार्टर के दूसरे मिनट में अर्शदीप सिंह ने तेज़ी से दाईं ओर दौड़ लगाकर गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। क्वार्टर के अंत में कप्तान रोहित की पासिंग पर पीबी सुनील ने पेनल्टी कॉर्नर का शानदार वैरिएशन गोल में बदलकर स्कोर 2-0 किया।

दूसरे क्वार्टर में अरिजीत सिंह हुंडल ने सर्कल के अंदर तेजी से घूमकर तीसरा गोल दागा और भारत की बढ़त 3-0 हो गई। तीसरे क्वार्टर में न्यूजीलैंड ने गस नेल्सन के गोल से 3-1 किया और वापसी की कोशिश की।

चौथे क्वार्टर में आर कुमुर ने पेनल्टी कॉर्नर का उपयोग करते हुए 4-1 का स्कोर बनाया। मैच के अंतिम मिनट में ऐडन मैक्स ने न्यूजीलैंड के लिए दूसरा गोल दागा, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने मजबूत खेल दिखाकर मैच को काबू में रखा।

अर्शदीप सिंह की तेज़ और चुस्त शुरुआत भारत के लिए महत्वपूर्ण रही। पीबी सुनील और आर कुमुर की पेनल्टी कॉर्नर क्षमता ने स्कोरिंग में मदद की। अरिजीत सिंह हुंडल की सर्कल में तेज़ी और समन्वय ने मैच पर भारतीय टीम का दबदबा बनाए रखा।

न्यूजीलैंड की टीम ने अंतिम कुछ मिनटों में वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति और गोलकीपर की शानदार परफ़ॉर्मेंस ने जीत सुनिश्चित की।

भारत ने लगातार दो मैच जीतकर अजेय अभियान जारी रखा है और अब उसकी नजरें मंगलवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले पर हैं। टीम का मनोबल उच्च और रणनीति स्पष्ट दिख रही है, जिससे इसे टूर्नामेंट में लंबा रास्ता तय करने की उम्मीद है।

जडेजा का लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलना

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने कहा है कि वह अभी संन्यास नहीं ले रहे और उनका लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलना है।

वेस्टइंडीज़ के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में 3 विकेट लेने वाले जडेजा ने कहा, 'मैं 2027 विश्व कप खेलने के लिए तैयार हूं।' वहीं उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। जिसके बाद से ही कहा जा रहा था कि अब वह इस प्रारुप के लिए चयन समिति के पसंदीदा नहीं रहे। वहीं ये भी कहा गय कि अब उन्हें केवल लंबे प्रारुप में ही जगह मिलेगी। वहीं जडेजा ने इन सभी संभावनाओं को सिरे से नकार दिया है। उन्होंने कहा, 'यह मेरे हाथ में नहीं है कि चयनकर्ता क्या सोचते हैं। उन्होंने मुझे ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर रहने का कारण बताया था पर मेरा ध्यान इस प्रारुप पर बना हुआ है। । जब भी अवसर मिलेगा मैं अपनी ओर से अच्छा प्रदर्शन करुंगा। ' जडेजा ने यह भी कहा कि एकदिवसीय विश्वकप जीतना उनका लक्ष्य है। इससे पहले साल 2023 में टीम फाइनल में पहुंचकर भी ये खिताब नहीं जीत पायी थी। इसलिए उन्हें लगता है कि अभी 'कुछ अधूरा काम बाकी है।' उन्होंने कहा, 'अगली बार जब मौका मिलेगा, मैं पूरी तैयारी के साथ उतरूंगा। पिछली बार हम थोड़ा पीछे रह गए थे, इस बार जो अधूरा रह गया, उसे पूरा करना चाहूंगा।'

कुलदीप यादव ने पांचवीं बार फाइफर किया अपने नाम, बने दुनिया के नंबर 1 गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन रविवार को टीम इंडिया ने मेहमान टीम को 248 रन पर आउट कर दिया। इस दौरान भारत के लिए बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव सबसे सफल गेंदबाज रहे। कुलदीप ने पांचवीं बार टेस्ट मैच की एक पारी में 5 विकेट लिए। इसके साथ ही उन्होंने स्पिनर के तौर पर टेस्ट में सबसे ज्यादा बार 5 विकेट लेने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। उनके अलावा इंग्लैंड के जॉनी वार्डले ने 5 बार ऐसा किया है।

बता दें कि, कुलदीप यादव का रिकॉर्ड जॉनी वार्डले से काफी बेहतर है। उन्होंने इंग्लैंड के स्पिनर के मुकाबले आधे टेस्ट में ये कारनामा कर दिया। वार्डले ने 28 टेस्ट में 5 बार पंजा खोला। वहीं कुलदीप ने केवल 15 टेस्ट में ऐसा कर दिया। साउथ अफ्रीका के पॉल एडम्स तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 45 टेस्ट में 4 बार पारी में 5 विकेट झटके।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली में कुलदीप ने 26.5 ओवर में 82 रन देकर 5 विकेट झटके। कुलदीप ने पहला विकेट दूसरे दिन शनिवार को लिया था। उन्होंने अलिक अथानाज को रविंद्र जडेजा के हाथों कैच कराया। उन्होंने 41 रन बनाए। कुलदीप ने तीसरे दिन पहले सत्र में साई होप 36 और टेविन इमलाच 21 को पवेलियन भेजा।

इसके बाद कुलदीप ने जस्टिन ग्रीव्स को पवेलियन भेजा। उन्होंने 17 रन बनाए। उन्होंने पांचवां विकेट जायडन सील्स के तौर पर लिया। उन्होंने 13 रन बनाए। कुलदीप यादव ने टेस्ट में 15 मैच की 27 पारियों में 21.09 के औसत और 3.52 की इकॉनमी से 65 विकेट लिए हैं। 40 रन देकर 5 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

समस्त देशवासियों को
दा पावर ऑफ ह्यूमन राईट्स फाऊण्डेशन
परिवार की ओर से

दिवाली
की
हार्दिक शुभकामनाएँ

संस्था के बारे में देशवासियों के मत

एक परिवार - एक बदलाव के लक्ष्य को सार्थक कदम की ओर 'दा पावर ऑफ ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन' कहती और सारगर्भित भूमिका अदा कर रहा है। सामाजिक कुरीति संविधान में वर्णित अधिकारो की चेतना शैक्षिक गतिविधियो को बढाना असहायो की सेवा सहायता करना, पर्यावरण संतुलन के लिए पेड लगाना, उनका संरक्षण करना तथा नशाखोरी उन्मूलन में सहभागी रहने में संस्था प्रेरक भूमिका अदा कर लोगो को जागरुक कर भरपूर सहयोग कर रही है। समय समय पर स्वास्थ कैंप लगाती है। आशा है कि भविष्य में भी संस्था, सामाजिक सरोकारो और संविधान अनुरुप जन सेवा जन जागरण करती रहेगी।

❑ धर्मबीर सिंह बलडोदिया (पूर्व शिक्षा अधिकारी, रेवाड़ी)

समाज में बदलाव की शुरुआत तभी होती है जब इंसान दूसरों के दु:ख को अपना समझे। इसी सोच को लेकर द पावर ऑफ ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन ने गुरुग्राम से अपनी यात्रा शुरू की और आज पूरे देश में मानव अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने का अभियान चला रहा है। यह संस्था न केवल समाज के कमजोर वर्गों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करती है बल्कि सरकार और प्रशासन के साथ मिलकर उनकी समस्याओं का समाधान भी करती है। संस्था शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, रक्तदान, वृक्षारोपण, आपदा राहत, और महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे कई सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रही है।

❑ अधिवक्ता-प्रमोद शंकर तिवारी (कानूनी सलाहाकार, नई दिल्ली)

'दा पावर ऑफ ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन' के द्वारा आम लोगों से जुड़कर उनके हितों में किये गए कार्यों से प्रेरित होकर आम लोगों के जीवन में बहुत कुछ बदलाव भी आ रहा है। इस संस्था के द्वारा जो कार्य किए गए वह बहुत ही सराहनी वह बहुत ही सराहनीय है। संस्था के द्वारा जो कार्य किया जा रहे हैं उनसे समाज में एक जुटता का विकास हो रहा है जो भविष्य के लिए एक अच्छा सन्देश है।

❑ मनोज कुमार आर्य (संस्कृत शिक्षा विभाग राजस्थान)

'दा पावर ऑफ ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन' के कार्यो एवं उद्देश्यों से मैं बहुत प्रभावित हुआ व भविष्य में इस संस्था के साथ काम करके शायद मैं देशहीत में कुछ पाऊँ ऐसी धारणा लेकर मैं इस संस्था को अपना भरपूर बेस्ट देने की कोशिश करूंगा।

❑ अंकित शर्मा (दिल्ली टैक्निकल यूनिवर्सिटी)

THE POWER OF HUMAN RIGHTS FOUNDATION
मुहीम: माता पिता ही भगवान है।

हमारा उद्देश्य:
- आमजन को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना।
- सामाजिक शोषण के विरूद्ध आवाज उठाना।
- देश में नियम एवं कानून का पालन करने के लिए जन-जन को प्रोत्साहित करना।

निरंतर कार्य:
- पर्यावरण संरक्षण • नि:शुल्क चिकित्सा शिविर
- रक्तदान शिविर • असहाय बुजुर्गों को सहयोग
- पशु-पक्षियों का संरक्षण • जरूरतमंदों को वस्त्र वितरित

मुहिम एवं अभियान:
- मुहिम: 'माता-पिता ही भगवान हैं'
- सुख हो या दुख-राष्ट्र सर्वोपरि
- बेजुबान जानवर अब नहीं रहेगा भूखा
- हमारा प्रयास-पूरी हो सबकी आस

संस्था द्वारा संचालित :
एस.आर.डी. चैरिटेबल ट्यूशन सैंटर
एस.आर.डी. चैरिटेबल सिलाई सैंटर

संस्था के बारे में देशवासियों के मत

संविधान का मतलब है कि सभी पर समान रूप से कानून लागू होना, जिसमें सरकार बनाने वाले भी शामिल हैं। यह नागरिकों को समान अधिकार सुनिश्चित करता है और राज्य को मनमाने ढंग से कार्य करने से रोकता है। 'दा पावर ऑफ ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन' आज जन-जन में उनके अधिकारों को जगाने का कार्य कर रही है। इसके साथ दीन दुखियों की सहायता कर परमार्थ के कार्य में भी हमेशा अग्रणी रहती है। आइए! हम सब मिलकर उस भारत का निर्माण करें जहाँ हर अधिकार सम्मान से जिया जाए।

❑ कमल कम्बोज (कर्मचारी) हनुमानगढ, राजस्थान

आज मैं उस संगठन की बात कर रही हूँ जिसने मानवता को एक नई परिभाषा दी है 'दा पावर ऑफ ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन' यह केवल एक संस्था नहीं, बल्कि न्याय, समानता और मानवाधिकारों की जीवंत प्रतीक है।
जिसने समाज के वंचित वर्गों को आवाज दी, शिक्षा से लेकर महिला सशक्तिक्करण और आपदा राहत तक हर मोर्चे पर मानवता का ध्वज फहराया।

❑ रिया यादव (स्नातक -प्रोग्राम अंग्रेजी एवं जर्मन भाषा, दिल्ली)

'दा पावर ऑफ ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन' न केवल अपने कर्तव्यों पर कार्य कर रही हैं। बल्कि लोगों की सभी निम्न स्तर की समस्याओं को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। महिलाओं की शिक्षा और सुरक्षा के ऊपर कार्य करना किसी भी संस्थान के लिए गर्व की बात है।

❑ अंकुर शर्मा (जूनियर इंजीनियर-दिल्ली ट्रांस्को लि०, दिल्ली सरकार)

'दा पावर ऑफ ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन' पिछले 3 सालों से हमारी सौंख खेड़ा टीम, मथुरा के साथ निरंतर कार्य कर रही है। इस संस्था के मार्गदर्शन में ही हम यहां के आमजन को जागरूक करने में कामयाब हुए। सही मायने में धरातल पर कार्य कैसे होते हैं ये दा पावर ऑफ ह्यूमन राईट्स फाऊण्डेशन से ही सीखने का मिला।

❑ प्रधान-सौंख खेड़ा टीम, मथुरा, उत्तर प्रदेश

THE POWER OF HUMAN RIGHTS FOUNDATION
Office: 823, Vill. Dhankot, Gurugram-122001 (HR.) INDIA
Helpline No.: 9811836860, 8076676580, 9871195428, 9999310391

मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक लव जैन द्वारा स्वास्तिका क्रिएशन, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से छपवाकर 400/12, जैकबपुरा, न्यू रेलवे रोड, अपोजिट वर्मा (ईएनटी) से प्रकाशित किया, संपादक लव जैन पीआरबी एक्ट के अंतर्गत रचनाओं के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का निपटारा गुड़गांव न्यायालय में होगा।